卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 197 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦ 27 अप्रैल 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

धधकते जंगलों को बचाने के लिए लगाई वायु सेना

नैनीताल(उद संवाददाता)। जंगलों में बेकाबू हो चुकी आग को बुझाने के लिए वायु सेना ने मोर्चा संभाला लिया है। नैनीताल के लड़ियाकांटा में लगी आग एयर फोर्स स्टेशन की तरफ बढ़ रही थी। वन विभाग व सेना के प्रयास के बाद भी जब स्थिति नहीं संभली तो वायु सेना को खुद ही हेलीकाप्टर उतारने पड़े। आग बुझाने के लिए सुबह सात बजे से दो हेलीकाप्टरों ने भीमताल झील से पानी लिफ्ट किया और फिर जंगल में बौछार की गई। पानी की जरूरत को देख प्रशासन ने नैनीताल की सभी झीलों में नौकायन बंद करवा दिया है। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बाद आग की लपटों को बुझाया जा सका। अभी केवल लड़ियाकांटा की आग हेलीकाप्टर की मदद से बुझाई गई है।

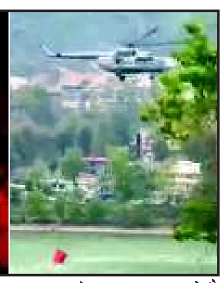

प्रशासन के अनुसार कुमाऊं के अन्य जंगलों में भी स्थिति बिगड़ने पर वायु सेना की मदद ली जा सकती है। बता दें 2016 में भी उत्तराखंड में जंगलों की आग नियंत्रण से बाहर हो गई थी। तब वायु सेना की ही मदद ली गई थी। शुक्रवार को नैनीताल में गेठिया के जंगल आग की चपेट में आ गए थे। लपटें इतनी भयानक थी कि (शेष पृष्ठ सात पर)

कार और बाइक की भिड़ंत में दो की मौत

देहरादून (उद संवाददाता)। डोईवाला में हरिद्वार हाईवे पर देर रात बाइक और कार की भिड़ंत में दो लोगों की

दर्दनाक मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जाकनारी के मुताबिक रात करीब 11 बजे हरिद्वार हाईवे स्थित माजरी चौक पर बाइक सवार यू टर्न ले रहे थे इसी दौरान हरिद्वार की ओर से आ रही कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति ने मौके (शेष पृष्ठ सात पर)

थार खाई में गिरने से चिकित्सक की मौत

श्रीनगर गढ़वाल। कीर्तिनगर के पास एक थार जीप अनियंत्रित होकर एनएच से लगभग 80 फुट नीचे खाई में जा गिरी। जिससे जीप चला रहे चिकित्सक की मौत हो गई। श्रीनगर मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डाक्टर विक्टर मसीह शुक्रवार रात ऋषिकेश से श्री नगर आ रहे थे। रात करीब साढ़े दस बजे उनकी थार जीप कीर्तिनगर के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। घटना की (शेष पृष्ठ 7 पर)

छोटा हाथी वाहन की टक्कर से कंपाइन मैकेनिक की मौत

रूद्रपुर/गदरपुर(उद संवाददाता)। छोटा हाथी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। हादसे में मारा गया युवक कंपाइन का मैकेनिक था उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद छोटा हाथी वाहन चालक फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक बेलखोड़ी बिलासपुर रामपुर निवासी 28 वर्षीय बलजीत सिंह पुत्र काला सिंह शनिवार सुबह अपने घर से कंपाइन ठीक करने के लिए बाइक पर नानकमत्ता के लिए निकला था। जाफरपुर क्षेत्र के लम्बाखेड़ा

में भट्टे के पास सामने आ रहे छोटा हाथी वाहन संख्या यूके 06सीबी 1767 ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरे बलजीत के सिर के उपर से छोटा हाथी का पहिया निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद छोटा हाथी वाहन को मौके पर छोड़कर वाहन चालक फरार हो गया। मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटा था कुछ साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। उसका दो साल (शेष पृष्ठ सात पर)

देवहा नदी में ट्रैक्टर पलटने से युवक की जान गयी, दूसरा घायल

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। नानकसागर डैम से लगी देवहा नदी में एक ट्रैक्टर अनियत्रिंत होकर पलट गया। जिससें ट्रैक्टर चला रहे युवक की मौत हो गयी। जबकि ट्रैक्टर पर सवार दूसरा युवक घायल हो गया है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार ग्राम भोटिया भरूआ बहेड़ी हाल निवासी–नहर के पास वार्ड न0 5 नानकमत्ता 24 वर्षीय प्रभजोत सिंह पुत्र गुरमुख सिंह का परिवार कुछ वर्ष पूर्व गांव से नानकमत्ता आकर बस गया था। प्रभजोत शनिवार सुबह अपने दोस्त के साथ ट्रैक्टर लेकर नानकसागर डैम से लगी खटीमा नेशनल हाईवे पर जा रहा था तभी ट्रैक्टर देवहा नदी में पलट गया। ट्रैक्टर पलटने से प्रभजोत गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्वजन खटीमा अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरा युवक मामूली रूप से घायल हो गया है। घटना की सूचना पर थाने से एसआई शंकर सिंह विष्ट मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर ट्रैक्टर को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं हादसे में युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

खनन का रवन्ना चेक करने वाली टीम पर हमला

छह वाहन चालकों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

सितारगंज (उद संवाददाता)। पीलीभीत रोड पर खनन चेकिंग कर रही प्राइवेट टीम के कर्मचारियों के ऊपर ट्रक चालकों ने वाहन चढ़ाने का प्रयास किया। हमलावरों ने कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। जिसमें उन्हें चोटें लगी हैं। पुलिस ने मामले में छह वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्राम मलपुरी निवासी युवराज सिंह पुत्र गुरमेज सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि पीलीभीत रोड के ग्राम मलपुरी में खनन रॉयल्टी चेकिंग करने वाली टीम के तस्वीर सिंह, अंकार सिंह, गुरदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह आदि ने 26 अप्रैल की रात करीब 10 बजे खनन सामग्री ले जा रहे पांच ट्रकों को रोक लिया। टीम ने ट्रक चालकों से खनन संबंधित रॉयल्टी मांगी। लेकिन वह नहीं दिखा सके। आरोप है कि इस दौरान अभय गुप्ता पुत्र अनिल गुप्ता, अनिल गुप्ता पुत्र श्याम चरण, रोहित, अकरम, परवेज, मंजीत ने एक राय होकर चेकिंग करने वाली टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने चेकिंग टीम के सदस्यों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया। मारपीट कर कर्मचारियों को घायल कर दिया। युवराज सिंह ने पुलिस को बताया कि कैलाश नदी से खनन ढोने वालों वाहनों की चेकिंग के लिए एलएलपी कंपनी को टेंडर मिला है। जिसके आधार पर कंपनी के कर्मचारी खनन सामग्री ले जाने वाले वाहनों की रॉयल्टी आदि की जांच करते हैं। लेकिन 26 अप्रैल को खनन रॉयल्टी की जांच करते समय वाहन चालकों (शेष पृष्ठ सात पर)

चौबीस घंटे तक तलाशी के बाद हल्द्वानी से वापस लौटी ईडी की टीम

हल्द्वानी(उद संवाददाता)।अमेरिका में प्रतिबंधित ड्रग्स बेचने व मनी लांड्रिंग के आरोपित बनमीत नरूला के घर ईडी ने शुक्रवार पूरे दिन और रातभर तलाशी ली। शनिवार की सुबह 24 घंटे बाद टीम वापस लौट गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। साथ ही बनमीत के एक परिवारिक सदस्य को अपने साथ ले गई है। हल्द्वानी के तिकोनिया में रहने वाला बनमीत नरूला अप्रैल 2019 में लंदन में

एक को हिरासत में लिया

गिरफ्तार हुआ था। मार्च 2023 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। इसी साल जनवरी में उसने अपना जुर्म स्वीकार किया था। अमेरिका कोर्ट ने बनमीत को डार्क वेब में ड्रग्स बेचने के आरोप में पांच साल की सजा सुनाई है। वह जेल में बंद है। बनमीत से 150 मिलियन डालर जब्त करने का भी आरोप है। बनमीत हल्द्वानी का रहने वाला है, इसलिए शुक्रवार की सुबह पांच बजे ईडी व देहरादून पुलिस यहां पहुंची। घर की घेराबंदी कर तलाशी शुरू कर दी थी। ईडी बनमीत के परिवारजनों से रातभर पूछताछ करती रही। कई महत्वपूर्ण दस्तावेज की जांच की। बैंक में लेनदेन के मामले की जांच के लिए दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। स्थानीय पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार की सुबह पांच बजे ईडी की टीम हल्द्वानी से लौटी गयी। ईडी बनमीत के परिवार के सदस्य तरविंदर सिंह को अपने साथ ले गई है।

रोडवेज स्टेशन की बत्ती गुल, लाखों का नुकसान

बसों का संचालन हुआ प्रभावित, निर्धारित समय पर नहीं रवाना हो पाई दो दर्जन बसें

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। तकनीकी खराबी के चलते शुक्रवार रात रोडवेज स्टेशन की विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी जिसके चलते पूरा रोडवेज परिसर रात भर अंधकार में डूबा रहा। रोडवेज स्टेशन का संचालन कर रही निजी कंपनी ने ऐन वक्त पर जनरेटर चलाने से हाथ खड़े कर दिये। रात भर विद्युत आपूर्ति ठप होने से रोडवेज स्टेशन का सारा काम काज ठप हो गया। रात को दूसरे शहरों से लौटकर आये परिचालक कैश जमा नहीं कर पाये। इसके साथ ही लाईट से चार्ज होने वाली ई टिकट मशीनें भी चार्ज नहीं हो पायी जिस कारण सुबह बसों का संचालन ठप हो गया। इससे रोडवेज डिपो को लाखों की क्षति पहुंची है। वहीं अंधकार में डूबे रोडवेज परिसर में यात्रियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम अचानक तकनीकी खराबी के चलते रात आठ बजे रोडवेज स्टेशन की विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी। खराबी को लेकर विद्युत विभाग से संपर्क किया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। रोडवेज में व्यवस्थाओं का संचालन कर रही निजी कंपनी सीआरएस इन्फ्रा लि. के कर्मचारियों को जनरेटर चलाकर आपूर्ति बहाल करने के लिए कहा गया तो कंपनी के कर्मचारियों ने जनरेटर चलाने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि जनरेटर के लिए तेल नहीं है। पूरी रात आपूर्ति ठप रहने के बाद सुबह पौने 11 बजे जनरेटर में जनरेटर में तेल डलने के बाद आपूर्ति सुचारू हो

पायी। विद्युत आपूर्ति ठप होने से पूरा रोडवेज परिसर रात भर अंधकार में डूबा रहा, जिसके चलते यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं कार्यालय में भी कोई काम नहीं हो पाये। रात को बसों के कई परिचालक दूसरे शहरों से यहां लौटे तो विद्युत आपूर्ति ठप होने के कारण वह कार्यालय में कैश जमा नहीं कर पाये और रात भर कैश के साथ रोडवेज परिसर में ही जमे रहे। विद्युत आपूर्ति ठप होने का असर बसों के संचालन पर भी पड़ा। दरअसल परिचालकों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली ई टिकट मशीनों को रात भर चार्जिंग के लिए लगाया जाता है, जिसके बाद दूसरे दिन परिचालक इनका उपयोग कर पाते हैं, लाईट नहीं होने के कारण परिचालकों की करीब 95 मशीनें चार्ज नहीं हो पायी जिसके चलते सुबह कई बसें समय पर गंतव्य को रवाना नहीं हो सकी। परिचालकों का कहना था कि इससे रोडवेज को लाखों का नुकसान पहुंचा है। वहीं इस सम्बंध में डिपो के सहायक महाप्रबंधक कृष्ण सिंह राणा से बात की गयी तो उन्होंने (शेष पृष्ठ सात पर)

चारधाम यात्रा पर श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा : सीएम

समीक्षा बैठक में सीएम धामी ने दिए व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण और यात्रा मार्गों पर घोड़ा-खच्चर संचालकों का सत्यापन करने के निर्देश

देहरादून। आगामी 10 मई से प्रारंभ होने वाली चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसे लेकर सरकार सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। इसके लिए संबंधित विभागों के सचिव यात्रा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। बुजुर्ग यात्रियों के लिए यात्रा मार्गों पर जगह-जगह प्राइवेट हेल्थ केयर टेस्टिंग किट की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने मुख्य सचिव को हर सप्ताह चारधाम यात्रा की समीक्षा करने और यातायात प्रबंधन व कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पुलिस महानिदेशक को स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। धामों में दर्शन के लिए स्लाट मैनेजमेंट बेहतर बनाने को बीकेटीसी, मंडलायुक्त और संबंधित जिलों के डीएम प्रभावी कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा से श्रद्धालु अच्छा संदेश लेकर जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि प्लास्टिक व कूड़ा प्रबंधन के दृष्टिगत यात्रा मार्गों से जुड़े डीएम को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से धनराशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर पानी, बिजली की समुचित व्यवस्था करने, शौचालयों को दुरुस्त करने, महिलाओं के लिए पृथक शौचालय बनाने, यात्रा से जुड़े कार्मिकों को श्रद्धालुओं से शालीनता से पेश आने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर तैनात सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड पर रहें और हर छह घंटे के बाद इन्हें आराम दिया जाए। वाहन चालकों के रहने व सोने की उचित व्यवस्था हो। प्रयास किया जाए कि यात्रा मार्गों पर संचालित प्रत्येक वाहन में दो-दो चालक हों और वाहनों की फिटनेस पर भी नजर रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को मौसम, यातायात प्रबंधन समेत सभी सूचनाएं समय पर मिलें, इसके लिए सूचना तंत्र सशक्त होना चाहिए। उन्होंने होटल, गेस्ट हाउस, होम स्टे की निर्देशिका विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर संचालित घोड़ा-खच्चरों का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही पंजीकरण कराया जाए। साथ ही इनके संचालकों का सत्यापन कराया जाए। सीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। इसकी तस्दीक पंजीकरण के आंकड़े कर रहे हैं। पर्यटन विभाग ने चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 15 अप्रैल से पंजीकरण शुरू किया था। रविवार को एक लाख से अधिक यात्रियों ने बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री व हेमकुंड साहिब की यात्रा के लिए पंजीकरण कराया। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 12.48 लाख यात्री पंजीकरण करा चुके हैं। इसमें केदारनाथ के लिए 4,22,129, बदरीनाथ धाम के लिए 3,56,716, गंगोत्री धाम के लिए 2,31,983, यमुनोत्री धाम के लिए 2,19,619 और हेमकुंड साहिब के लिए 17,684 यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। सरकार को उम्मीद है कि इस बार भी चारधाम यात्रा में दर्शन करने वाले श्रद्धालु नया रिकॉर्ड बनाएंगे। बैठक में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अभिनव कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण: राज्यपाल

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आईआईएमयूएन द्वारा राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के युवाओं ने प्रतिभाग करते हुए राज्यपाल से कई विषयों पर संवाद किया। राज्यपाल ने बच्चों के प्रश्नों और उनकी जिज्ञासाओं के जवाब दिए और उन्हें सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आईआईएमयूएन(इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाईट द नेशंस) एक समर्पित युवा छात्रों का संगठन है जिसमें 220 शहरों और 35 देशों के 26,000 से अधिक समर्पित युवा शामिल हैं। राज्यपाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और कहा की आप सभी हमारे देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा वर्तमान युग में युवा राष्ट्र की एक शक्तिशाली संपत्ति है, जिसमें प्रचुर मात्रा में ऊर्जा और उत्साह है जो समग्र उन्नति के लिए आवश्यक माना जाता है। आज का युवा, राष्ट्र के कल की स्थिति को आकार देता है। इसलिए युवा अवसरों को भुनाकर अपनी शक्ति और क्षमता का उपयोग करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल दोनों में निपुण हों जिससे की राष्ट्र का सर्वांगीण विकास हो सके। राज्यपाल ने कहा कि देश के युवा छात्र ही विकसित भारत का संकल्प पूरा करेंगे। हमें सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए युवाओं की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का लाभ उठाना चाहिए। विश्व भर में भारत के टैलेंट की भारी संख्या में मांग बढ़ रही है और आने वाले समय में हमारे युवा विश्व में नेतृत्व करेंगे। उन्होंने युवाओं को बड़े सपने देखने एवं उन्हें अपने दृढ़ संकल्प और आत्मानुशासन से पूरा करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में एडमिरल(रिटायर्ड) आर. के. धोवन, सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी श्री राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव श्री राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, आईआईएमयूएन के अतीब इम्तियाज, मितेश विजय, ईशान भारत, भावेश सोलंकी सहित विभिन्न स्कूल के बच्चे मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर में तैनात चमोली का जवान शहीद

चमोली(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के चमोली के रहने वाले शहीद जवान कीरत सिंह रावत सेना में सेवा के दौरान शहीद हो गए। कीरत सिंह 20 गढ़वाल राइफल में जम्मू कश्मीर में तैनात थे। उनके निधन की खबर के बाद से प्रदेश में शोक की लहर है। उत्तराखंड के चमोली के रहने वाले शहीद जवान कीरत सिंह रावत सेना में सेवा के दौरान शहीद हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक नारायणबगड़ के चिरखून गांव के रहने वाले जवान कीरत सिंह बीमार चल रहे थे। उनका दिल्ली के सेना अस्पताल में इलवाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि जवान कीरत सिंह रावत की पिछले साल नवंबर में ही सगाई हुई थी। उनके घर पर उनकी शादी की तैयारियां चल रही थी। इसी बीच ये घटना हो गई। कीरत सिंह अपने घर के इललौते चिराग थे। इकलौते बेटे के असमय चले जाने से माता-पिता और बहन का रो-रो कर बुरा हाल है। मिली जानकारी के मुताबिक चिरखून गांव के कीरत सिंह रावत साल 2018 में ही सेना में भर्ती हुए थे। कीरत 20 गढ़वाल राइफल्स में सेवाएं दे रहे थे। वर्तमान में उनकी तैनाती जम्मू कश्मीर में थी। बीते कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। जिस कारण उनका दिल्ली में इलाज चल रहा था। दिल्ली के सेना अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पत्नी और ससुरालियों पर भाई की हत्या का आरोप

किच्छा। सात महीने पहले पुलभट्टा में हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पत्नी सहित सात ससुरालियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम पीपलसाना चौधरी थाना भोजीपुरा बरेली निवासी राजेंद्र बाबू ने सिविल जज/न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थनापत्र दिया था। कहा कि उसके भाई विनोद कुमार की पत्नी मीना ने 4,65,000 रुपये अपनी मां नन्नी देवी, पिता रामचन्द्र, भाई राकेश, रविन्द्र, अन्नू, प्रदीप, भतीजा तरुण निवासी किच्छा को मकान बनवाने के लिए विनोद से डेढ़ साल पहले दिलवाए थे। एक साल बाद विनोद ने रकम वापसी के लिए अपनी पत्नी से कहा तो वे टालमटोल करने लगे। जब विनोद ने कानूनी कार्रवाई की बात कही तो ससुराल वाले उससे रंजिश रखने लगे थे। पांच सितंबर 2023 को विनोद पत्नी मीना के साथ साले के बेटे के जन्मदिन पर बंडिया आया था। आरोप है कि रात में मीना और उसके परिजनों ने उसके भाई विनोद की हत्या कर दी और हादसे का रूप देने के लिए रात में शव को पुलभट्टा के पास ओवरब्रिज के नीचे रख दिया था। उसने किच्छा थाना और एसएसपी को प्रार्थनापत्र दिया मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जंगलों को वनाग्नि से बचाने को ठोस उपाय नहीं किए जा रहे : यशपाल आर्य

हल्द्वानी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वनाग्नि के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की निष्क्रियता के कारण जंगलों को वनाग्नि से बचाने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए जा रहे हैं। जब भी प्रदेश में वनाग्नि के मामले बढ़ते हैं तो सरकार रोकथाम के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करती है, जिसका खामियाजा प्रकृति व आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार धधक रहे जंगल व उससे हो रही हानि चिंता का विषय है। अप्रैल के पहले सप्ताह में स्थितियां इतनी भयावह हो गई कि राज्य में सैकड़ों हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गए और हजारों हेक्टेयर पर खतरा मंडरा रहा है। आर्य ने कहा कि प्रदेश का वन विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग इस मामले में कहीं नहीं दिखता है। आग से धधकती प्रदेश की अमूल्य वन संपदा के साथ ही वन्य जीव, वृक्ष, वनस्पतियां, जल स्रोत और यहां तक कि ग्लेशियर भी इस भीषण दावानल से संकट में है। आर्य ने सवाल किया है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है ? क्या सरकार के संज्ञान में यह नहीं है? प्रदेश सरकार क्या कर रही है ? कहा कि अभी अप्रैल का महीना है यही हाल रहे तो मई और जून में स्थिति और भयावह होगी।

फंदे पर लटकी मिली विवाहिता

रुद्रपुर। कोतवाली क्षेत्र के रंपुरा में एक महिला संदिग्ध हालात में फंदे पर लटकी मिली। बताया जा रहा है कि महिला का पति से विवाद हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूलरूप से पीलीभीत यूपी और हाल निवासी वार्ड 23 रंपुरा में राजकुमार अपनी पत्नी सीता (28) व दो बच्चों के साथ किराए के मकान में रहता है। राजकुमार सिडकुल की एक कंपनी में काम करता है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार दोपहर राजकुमार और सीता के बीच झगड़ा हुआ था जिसके बाद वह ड्यूटी पर चला गया। शाम को दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। इस दौरान राजकुमार के कमरे का दरवाजा खुला था। वहां से गुजर रहे मकान मालिक ने सीता को पंखे से फंदे पर लटका देखा। सूचना पर सीओ सिटी निहारिका तोमर, इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार टीम के साथ पहुंचे और शव को उतारा। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि सीता की शादी को छह साल हुए थे। प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। लेकिन वहां कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को मोर्चरी में भेज दिया है और परिजनों के आने पर ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

खटीमा। ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बृहस्पतिवार रात सितारगंज मार्ग पर एक बाइक सवार खेतिहर मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। यूपी के बिलासपुर निवासी बाबू राम (32) बृहस्पतिवार रात बेरीघाट ईंट भट्ठे में काम करने वाले अपने भाई को भोजन देकर बाइक से लौट रहा था। बाइक के पीछे उसका भांजा रोहित बैठा था। तभी सितारगंज मार्ग पर ट्रैक्टर-टॉली ने बाइक को टक्कर मार दी जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें खटीमा उप जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने बाबू राम को मृत घोषित कर दिया। वहीं हालत गंभीर होने पर रोहित को हायर सेंटर रेफर कर दिया। डॉ. केसी पंत ने बताया कि घायल की मौत हेड इंजरी से हुई है। परिजनों ने बताया कि बाबूराम झोपड़ी बनाकर खेतिहर मजदूर था। उसके साथ पत्नी व पांच महीने की पुत्री रहती थीं। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर चालक पर केस दर्ज कर दिया है।

सितारगंज मार्ग से पीलीभीत मार्ग को जोड़ने वाली सड़क का शीघ्र होगा निर्माण

खटीमा (उद संवाददाता)।अधिशासी अभियन्ता पेयजल निगम वर्ल्ड बैंक खण्ड संजय जोशी ने बताया कि सितारगंज मार्ग से पीलीभीत मार्ग को जोड़ने वाली डिग्री कालेज रोड में विश्व बैंक परियोजना इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, हल्द्वानी द्वारा निर्माणाधीन महोलिया पेयजल योजना की पाइपलाइन डाली गयी है। उन्होने बताया कि उक्त पाइपलाइन में कुछ वॉल्व आदि जोड़ने की कार्यवाही शेष है, जिसके पश्चात पाइपलाइन का ट्रायल एवं टैस्टिंग किया जायेगा, जिसमे लगभग 20 दिन तक समय लगने की संभावना है, जिसके पश्चात लोक निर्माण विभाग खटीमा द्वारा रोड पुनर्निर्माण हेतु हैंडओवर कर दिया जायेगा। अधिशासी अभियन्ता ने बताया कि वांछित धनराशि लोक निर्माण विभाग खटीमा को प्रेषित कर दी गयी है। उन्होने बताया कि उक्त मार्ग पर वाहनों की आवाजाही हेतु ड्रेसिंग करायी गयी है तथा मलवा मार्ग के एक किनारे पर एकत्रित है, जिसे शीघ्र लोक निर्माण विभाग खटीमा द्वारा हटा दिया जायेगा।

नेशनल हाईवे के लिए मिट्टी उठाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

गदरपुर(उद संवाददाता)। तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाके से नेशनल हाईवे द्वारा मिट्टी उठाने के कार्य का ग्रामीणों ने विरोध करते राजस्व विभाग की टीम को बैरंग लौटा दिया। ग्रामीणों ने सडीएम से परमिशन रद्द करने की मांग की है। ग्रामीणों ने एसडीएम को बताया कि गांव की सड़क संकरी होने के कारण दिक्कतें होने की आशंका है। शुक्रवार सुबह उस समय ग्रामीणों में आक्रोश पैदा हो गया जब नेशनल हाईवे पर मिट्टी उठाने की परमिशन को लेकर तहसील की टीम गदरपुर ग्राम कुईखेड़ी पहुंची।जहां ग्रामीणों ने विरोध किया। विरोध के चलते राजस्व विभाग की टीम बैरंग लौट गई। ग्रामीणों का कहना था कि मिट्टी भरने का काम पोकलैंड मशीन द्वारा किया जाएगा जिससे खेती की जमीन खराब हो जाएगी और गांव को जाने वाला रास्ता भी तंग है जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका व्यक्त करते हुए एसडीएम गौरव पांडे को ज्ञापन सौपकर मिटी उठाने की अनुमति रद्द करने की मांग की। विरोध करने वालों में सुरजीत सिंह, बलवीर सिंह, रमेश, रेशम सिंह,किशन सिंह, मंगल सिंह, कुलदीप सिंह, सतनाम सिंह, हरदीप सिंह, ऋषिपाल सिंह अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

ऋषिकेश पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा

ऋषिकेश। त्रिवेणी घाट पर रोजाना होने वाली सांयकालीन गंगा आरती में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश में गंगा तट पर जिस तरह की शांति का अहसास हुआ वह अद्‌भुत है। रॉबर्ट वाड्रा शुक्रवार की शाम को आध्यात्मिक यात्रा पर ऋषिकेश पहुंचे। रॉबर्ट वाड्रा ने ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती के साथ भजन संध्या में भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऋषिकेश पहुंचकर गंगा मां का आशीर्वाद प्राप्त हुआ

है। यहां असीम शांति का अनुभव हुआ है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि ऐसी शांति पूरे भारत में कहीं देखने को नहीं मिली है। वास्तव में जो गंगा पहाड़ों से निकलकर पूरे देश में सुख शांति का अनुभव करवा रही है, उसका एहसास आज यहां आकर हुआ है। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजपाल सिंह खरोला, एआईसीसी सदस्य जयेंद्र रमोला, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित उनियाल, अंशुल अरोड़ा भी मौजूद थे।

नीरू रावत नाम की आईडी पर था अंकिता भंडारी का मोबाइल नंबर

कोटद्वार। अंकिता हत्याकांड मामले में शुक्रवार को एक मोबाइल कंपनी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के नोडल अधिकारी विशाल शर्मा से बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने जिरह की। शर्मा ने बताया कि अंकिता भंडारी जो सिम चला रही थी वह नीरू रावत के नाम पर था। च्वींचा गांव निवासी एक महिला नीरू रावत ने भी शुक्रवार को अदालत में बयान दर्ज कराए। यमकेश्वर के गंगाभोगपुर तल्ला के वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के पद पर कार्यरत अंकिता भंडारी की हत्या के मुकदमे का कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में ट्रायल चल रहा है। शुक्रवार को अदालत में हाजिर हुए संचार कंपनी के नोडल अधिकारी विशाल शर्मा से बचाव पक्ष के अधिवक्ता अनुज पुंडीर ने कई सवाल पूछे। जवाब में नोडल अधिकारी ने बताया कि अंकिता भंडारी का मोबाइल नंबर नीरू रावत की आईडी पर था। यह भी बताया कि पहाड़ी क्षेत्र में मोबाइल टॉवर की लोकेशन अलग अलग आ सकती है। मोबाइल बंद होने के बाद उसकी लास्ट लोकेशन आती है, लेकिन रनिंग लोकेशन नहीं आती। दूसरी गवाह नीरू रावत ने बताया कि अंकिता भंडारी की मां सोनी देवी उनके पड़ोस में रहती थीं। उन्हें सिम की जरूरत थी। तब उनका अंगूठे का निशान मशीन पर न आने के कारण उसने अपनी आईडी से एक सिम उन्हें दिलवाया था। गवाह ने अदालत में दिए गए सहमतिपत्र को भी प्रमाणित किया। डीजीसी प्रदीप भट्ट ने बताया कि एक अप्रैल को हुई सुनवाई में विशाल शर्मा के बयान तो दर्ज हो गए थे, लेकिन बचाव पक्ष के अधिवक्ता के न आने से जिरह नहीं हो सकी थी। अदालत ने अब इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 3 मई नियत की है।

रिसॉर्ट में चोरी करता पकड़ा युवक

रामनगर(उद संवाददाता)।शुक्रवार को ग्राम सेमलखलिया स्थित एक रिसॉर्ट के अंदर से सामान चोरी करते हुए एक चोर को रिसॉर्ट कर्मचारियों ने रंगे हाथों दबोच कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में कोतवाली पुलिस ने चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसके कब्जे से चोरी किया हुआ सामान भी बरामद कर लिया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस

ने बताया कि ग्राम सेमलखलिया में स्थित द जंगल बुक रिजॉर्ट के मुख्य प्रबंधक मनोज कोठारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि इसी गांव के रहने वाले अजय डोभाल नाम के युवक को रिसोर्ट में चोरी करते हुए कर्मचारियों द्वारा रंगे हाथो पड़कर पुलिस को सोपा गया था उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करते हुए आरोपी के कब्जे से चोरी किया हुआ सभी सामान बरामद कर लिया गया है तथा आरोपी को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस की जीत सुनिश्चित : गणेश गोदियाल

रामनगर पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी गोदियाल का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

रामनगर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल शनिवार को रामनगर स्थित किया। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की एकजुटता व मेहनत के लिए कार्यकर्ताओं का जहां एक और आभार व्यक्त किया तो वहीं उन्होंने केंद्र में 10 साल तक राज करने वाली भाजपा सरकार केवल झूठ बोलकर देश की जनता को ठगने का काम करती रही है और इस बार उत्तराखंड और देश की जनता भाजपा को इसका जवाब देगी कि इस चुनाव में उत्तराखंड में बढ़ती बेरोजगारी महंगाई पलायन भ्रष्टाचार और बदहाल कानून व्यवस्था के साथ ही अंकित भंडारी हत्याकांड भाजपा की हार का कारण बनेगा उन्होंने कहा कि

पार्टी कार्यालय पहुंचे जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत के अलावा सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत उत्तराखंड के साथ ही पौड़ी गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र जनता का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार उनकी लोकसभा के विध ानसभा क्षेत्र में भाजपा के मजबूत वूथो पर जो मतदान काम हुआ है उससे स्पष्ट है कि अब जनता सब जान चुकी है और जनता ने शांत होकर जो मतदान किया है उससे निश्चित तौर पर कांग्रेस की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि आज साथ ही उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड के जंगल चारों तरफ आग की भेंट चढ़ रहे हैं लेकिन सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल संसाधनों की लूट कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा का मतदान होने के तीन दिन बाद ही सरकार ने उत्तराखंड में बिजली के दामों में 7% मूल्य वृद्धि का फरमान जारी कर जनता को लूटने का काम किया है उन्होंने कहा कांग्रेस ने इन सभी जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा है तथा जनता का फैसला इस बार कांग्रेस के पक्ष में होगा तो वहीं उन्होंने अपनी जीत का भी दावा किया है तो वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत ने भी केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार निश्चित तौर पर उत्तराखंड और देश में जनता इस तानाशाह सरकार को जवाब देगी।

तीर्थ पुरोहितों ने लगाए केदारनाथ में पांडवों द्वारा बनाए गए रास्ते को तोड़ने का आरोप

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ में मास्टर प्लान के तहत निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन बीते कुछ समय से निर्माण कार्य को लेकर लोगों की नाराजगी देखी जा रही है। यहां तक निर्माण कार्य के दौरान लोगों के घरों के आस-पास और बाहर गड्ढे करने के आरोप लगाते हुए तीर्थ पुरोहितों ने अनिश्चित कालीन बंद का भी ऐलान कर दिया है। इसी बीच तीर्थ पुरोहितों ने केदारनाथ में पांडवों द्वारा बनाए गए रास्ते को तोड़कर बेमुख करने का आरोप लगाया है। केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहितों ने केदारनाथ में पांडवों द्वारा बनाए गए रास्ते को तोड़ कर बेमुख करने का आरोप लगाया है। तीर्थ पुरोहित पूछ रहे हैं कि आदि-अनादि काल से भगवान केदार के सामने का जो रास्ता था उसे क्यों तोड़ा गया ? उन्होंने आरोप लगाए हैं कि केदारनाथ में निर्माण कार्य के नाम पर तोड़-फोड़ की जा रही है। तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि भगवान केदार के द्वार का रास्ता मुख की ओर से बेमुख क्यों कर दिया गया है। भगवान केदार के दर्शन के लिए जाने वाली देव डोलियां कहां से जाएंगी ? तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि केदारनाथ छोटा सा कस्बा है और यहां हर साल लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री आते हैं लेकिन उनकी सुविधा के लिए कोई भी कार्य यहां नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि बार-बार यहां तोड़-फोड़ की जा रही है। केदारनाथ आपदा के 15 साल बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने सवाल किया है कि बार-बार तोड़-फोड़ करना ही मास्टर प्लान है। तीर्थ पुरोहितों ने ना केवल तोड़-फोड़ रोकने की मांग की है बल्कि उन्होंने मांग की है कि केदारनाथ में व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जाए। ताकि केदारनाथ दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केदारनाथ के रास्ते को पहले जैसा ही बनाया जाए।

स्कूटी की टक्कर से मां और बेटा घायल

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से दूसरी स्कूटी पर सवार मां बेटा घायल हो गये उन्हें उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक भूरारानी के पास सत्यनारायण कालोनी निवासी मलकीत सिंह की पत्नी सीमा कौर और आठ साल का पुत्र रणवीर सिंह विगत रात्रि स्कूटी पर मार्केट से घर की ओर लौट रहे थे, आरएएन स्कूल के पास तेज रफ्तार स्कूटी ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे मां बेटा सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गये। रणवीर का पैर फैक्चर हो गया जबकि सीमा को भी

गंभीर चोटें आई है। राह चलते लोगों ने दोनों को पास के ही निजी अस्पताल पहुंचाया। मामले में मलकीत सिंह की ओर से स्कूटी सवार दो युवकों के खिलाफ तहरीर दी गयी है। जिसमें मलकीत का कहना है कि घटना को अंजाम देने वाला स्कूटी चालक पास ही स्थित वसुंधरा कालोनी का निवासी है और वहां पर किराना की दुकान चलाता है। पीड़ित ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।

उत्तराखंड के जंगलों में बेकाबू हो रही वनाग्नि

भीमताल झील से पानी भरकर वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने बुझाई जंगलों की आग,वन संपदा को भारी नुकसान

नैनीताल/ देहरादून(उद संवाददाता) । प्रदेश के विभिन्न जनपदों के जंगालों में बीते 24 घंटे में 31 स्थानों पर वनाग्नि के नए मामले सामने आए हैं। वन विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को भी वनाग्नि की घटनाओं में ज्यादा संख्या आरक्षित वनों की सामने आई है। अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में आरक्षित वनों में 29 और सिविल या वन पंचायतों में दो वनाग्नि की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें कुल 33.34 हेक्टेयर जंगल प्रभावित हुए हैं। हालांकि कहीं भी कोई मानव हानि सामने नहीं आई। कुमाऊं के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने शनिवार से भीमताल झील से पानी भरकर जंगलों में पानी डालने का काम करना शुरू कर दिया है। शनिवार की सुबह वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने भीमताल झील से पानी भरकर नैनीताल के जंगलों में लगी आग पर डाला। वन क्षेत्राधिकारी विजय मेलकानी ने बताया कि जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद ली गई है। मेलाकनी ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने अभी तक तीन बार झील से पानी भरकर जंगलों में लगी आग पर डालना शुरू कर दिया है। मेलकानी ने बताया कि वन विभाग के कर्मचारी भी आग बुझाने में लगे हुए हैं। आग से भीमताल, पाइंस, रानीबाग, साततال, बेतालघाट और रामगढ़ के जंगलों की वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है। गढ़वाल मंडल के टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के जंगल लगातार धधक रहे हैं। ज्यादातर चीड़ के जंगलहोने के कारण आग तेजी से फैल रही है। वनकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। एक स्थान पर आग बुझती है तो दूसीर जगह भड़क उठती है। आग से बड़ी मात्रा में वनसंपदा को नुकसान पहुंचा है। वहीं पशुओं के लिए चारे की समस्या भी खड़ी हो गई है। चमोली जिले के जंगलों में फिर आग धधक गई है। शुक्रवार को जिले के अलग-अलग पांच जगह पर वनाग्नि की घटनाएं सामने आई हैं। जिससे बड़ी मात्रा में वन संपदा नष्ट हो गई है। शुक्रवार को गोपेश्वर के पास कोठियालसैंण और ग्वीलों के जंगल में आग भड़क गई। चीड़ के जंगल में आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। वहीं सुबह इंजीनियरिंग कॉलेज के नीचे के जंगल में भी आग लग गई। आग आईटीबीपी कैंपस में घोड़े के अस्तबल के पास तक पहुंच गई। सूचना पर फायर सर्विस गोपेश्वर की टीम ने मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग को बुझा दिया। वहीं दोपहर को देवखाल के जंगल में भी आग भड़क गई। देखते ही देखते आग जंगल के बड़े क्षेत्र में फैल गई है। वहीं पोखरी विकासखंड के विशाल ग्राम पंचायत की सिविल भूमि में चीड़ के जंगल में आग लग गई। वन सरपंच महिपाल सिंह ने वनाग्नि की सूचना केदारनाथ वन प्रभाग को दी। प्रभाग की नागनाथ रेंज के वन दरोगा आनंद सिंह रावत फायर वाचरों के साथ मौके पर पहुंचे, काफी मशक्कत के बाद वन कर्मियों ने आग को काबू कर लिया है। कंडीसौड़ (टिहरी) में फायर सीजन में जंगलों को आग से बचाने की तैयारी में जुटे वन विभाग की तैयारियां धरी की धरी रह गई है। एक ही समय कई जगहों पर आग लगने पर विभाग असहाय नजर आ रहा है। विभागीय कर्मचारियों को सूचना देने पर वह मैन पावर की कमी का रोना रो रहे हैं। जिससे जगह-जगह जंगल धधक रहे हैं। शुक्रवार को सुबह 10 बजे सुनारगांव के सिविल वन क्षेत्र में लगी आग पांच घंटे बाद काबू की गई। वन कर्मियों के वहां से आग बुझाकर लौटने के डेढ़ घंटे बाद ही कंडीसौड़ का जंगल धधकने लगा। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। वन कर्मियों ने बताया कि वह मैंडखाल क्षेत्र के पदोगी, लवाणी, कस्तल और भंडार्की के जंगल में लगी आग बुझाने में व्यस्त हैं। इस कारण अपराह्न साढ़े चार बजे से शाम साढ़े सात बजे तक चीड़ का जंगल धधकता रहा। वन दरोगा प्रेमलाल डोभाल ने कहा कि वह मैंडखाल क्षेत्र में लगी आग काबू करते ही टीम को कंडीसौड़ क्षेत्र में भेजा जाएगा। उधर भिलंगना ब्लाक के पडागली में भी जंगल घंटोंतक जलता रहा। जिससे वन संपदा को काफी नुकसान हुआ है।

पहाड़ियों में आग बुझाने के लिए एयरफोर्स के दो हेलीकॉप्टर की मदद से पानी का छिड़काव

नैनीताल,भीमताल से बेतालघाट तक आग से धधक रहे जंगल

नैनीताल। शुक्रवार को एयर फोर्स के हेलीकॉप्टर ने भीमताल झील का तीन से चार बार चक्कर लगाकर सर्वे किया। भवाली वन क्षेत्राधिकारी विजय मेलाकनी ने बताया कि जंगलों में आग को रोकने के लिए विभाग एयर फोर्स की मदद से हेलीकॉप्टर में पानी भरकर जंगलों में लगी आग को बुझाने की तैयारी कर रहा है। इधर बेतालघाट के हरोली, कुजोली और धनियाकोट के जंगल में शुक्रवार को आग लगने से वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। कुजोली के जंगल में लगी आग दोपहर बाद धनियाकोट इंटर कॉलेज और कुजोली गांव तक पहुंच गई। पूर्व सरपंच कमल जोशी ने बताया कि ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद विद्यालय परिसर से पहले को आग पर काबू पाया। वहीं विनायक रेंज में घोडियाहल्सों और सौपाटी के जंगल में देर रात तक आग लगी रही। आबादी क्षेत्र में पहुंचती आग को लोगों मुश्किल से रोका। इधर, भवाली के शीतला देवी मंदिर और सैनिक स्कूल घोड़ाखाल से लगे जंगल में आग लग गई। मंदिर के पुजारी प्रकाश चंद्रा ग्रामीणों और वन विभाग के साथ आग बुझाने में लगे रहे। डिप्टी रेंजर दीप जोशी ने बताया कि दो घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया। इस वर्ष बारिश व बर्फबारी न होने गर्मी अधिक होने लगी है। बढ़ते तापमान के बीच नैनीताल व आसपास के जंगलों में भीषण आग लगी हुई है। खड़ी पहाड़ियों में आग लगने के चलते वह विभाग व दमकल विभाग की टीम भी कई स्थानों पर आग पर काबू नहीं पा सकी है। जिसके चलते जंगल जलकर राख हो चुके हैं। अब आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है। ईओ प्रशिक्षु आईएएस राहुल आनंद ने बताया कि जिलाधिकारी वंदना सिंह के आदेश पर प्रशासनिक तथा विभागीय अधिकारी अलर्ट हैं। विविध माध्यमों से सामंजस्य बनाकर वनाग्नि पर काबू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वायुसेना के अधिकारियों से भी बातचीत की गई। शुक्रवार को वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने झील परिक्षेत्र का निरीक्षण भी किया। शनिवार की सुबह से दो हेलीकॉप्टर की मदद से नैनीझील व भीमताल झील से पानी लेकर वनाग्नि रोकथाम की पहल की जाएगी। जिसके लिए झील में नौकायन बंद करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। झील मालिक चालक समिति अध्यक्ष राम सिंह का कहना है कि शुक्रवार को शाम 5:30 बजे नौकाएं बंद कर दी गई थी। पालिका की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि दोपहर दो बजे तक नाव का संचालन बंद रखें।

पत्रकार प्रेस परिषद के उर्वादत्त पुन: बने जिलाध्यक्ष

लालकुंआ (उद संवाददाता)। पत्रकार प्रेस परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से नैनीताल जिले की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। हल्दुचौड़ में पत्रकार प्रेस परिषद के कुमांऊ प्रभारी अशोक गुलाटी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से उर्वादत्त भट्ट पुन: जिलाध्यक्ष चुने गये। जबकि विशन दत्त मिश्रा उपाध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह नेगी मीडिया प्रभारी, दीपक बिष्ट सचिव, विनोद सिंह बिष्ट संगठन मंत्री, रवि भट्ट उपाध्यक्ष, विजय सिंह नयाल कोषाध्यक्ष, विजय सिंह बनकोटी उपसचिव, दीपक पलड़िया ,आशुतोष नेगी और पान सिंह बिष्ट कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी को कुमांऊ प्रभारी अशोक गुलाटी ने बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि पत्रकार हितों के लिए पत्रकार प्रेस परिषद प्रतिबद्ध है। यह पत्रकारों का पहला ऐसा संगठन है जो अपने सदस्यों को सवा दो लाख बीमा की सुविधा दे रहा है। साथ ही पचास हजार का स्वास्थ्य बीमा भी उपलब्ध करा रहा है। इसके माध्यम से कोई भी सदस्य अपना और अपना और अपने परिवार के किसी भी सदस्य का पचास हजार रूपये तक का उपचार करा सकता है। उन्होंने कहा कि नैनीताल जनपद की कार्यकारिणी ने अपना कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा किया है। उन्हें उम्मीद है कि नई कार्यकारिणी भी तत्परता से काम करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही कुमांऊ भर में नई इकाईयों का भी गठन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार प्रेस परिषद जल्द ही कुमांऊ स्तर का एक सम्मेलन आयोजित करेगी जिसमें सभी पत्रकार संगठनों को आमंत्रित किया जायेगा और पत्रकारों की समस्याओं को लेकर चर्चा की जायेगी और पत्रकार हितों के लिए आवाज उठाई जायेगी। श्री गुलाटी ने कहा कि संगठन का प्रयास है कि सभी संगठन पत्रकार हितों के लिए एकजुट हों।

पीपली जंगल में लकड़ी के बंटवारे के लिए हुई थी युवक की हत्या

बाजपुर। दो महीने पहले यूपी के पीपली जंगल में हुई केलाखेड़ा के युवक की हत्या के मामले में यूपी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास हत्या में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा भी बरामद किया है। केलाखेड़ा थाने के गांव रम्पुरा काजी निवासी सेठ सिंह उर्फ सेठा (35) बीती 25 फरवरी 2024 को अपने घर से कुछ साथियों के साथ जंगल से लकड़ी लेने की बात कह कर गया था। लेकिन सेठा घर नहीं लौटा। परिजनों की ओर से गुमशुदगी की सूचना मौखिक रूप से केलाखेड़ा पुलिस को दी गई थी। रात में यूपी के मिलकखानम रामपुर क्षेत्र के पीपली जंगल में गोली लगा सेठा का शव मिला था। मृतक के परिजन ने सेठा की हत्या होने की आशंका जताई थी जिस पर यूपी के मिलकखानम थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की जिसमें तीन लोगों के नाम उजागर हुए। शुक्रवार को सूचना पर मिलकखानम थाना पुलिस ने पदमपुर तिराहे से कुलवंत सिंह उर्फ काका निवासी गुलाब सिंह का मझरा रम्पुरा काजी थाना केलाखेड़ा, आसिम निवासी मझरा मर्दान थाना गदरपुर और इरफान अली निवासी कनकटा थाना गदरपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया। मिलकखानम थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 302/201 और 34 के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जंगल में चोरी से लकड़ी काटने के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया था। आरोपियों ने सेठा की हत्या करना कुबूल किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी संजय कुमार, एसआई सुरेश कुमार, प्रबल प्रताप, भारत, विक्की देवल शामिल है।

हीट वेव से बचाव को लेकर दिए दिशा निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में हीट वेव से बचाव को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। इस कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। मौसम केंद्र के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने हीट वेव के विभिन्न चरणों के बारे में बताया कि अगर मैदानी क्षेत्रों में चालीस डिग्री तथा पहाड़ी क्षेत्रों में तीस डिग्री तक तापमान पहुंच जाता है, तब हीट वेव की परिस्थितियां उत्पन्न होने की संभावना बनती हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में मई के अंतिम सप्ताह तथा जून के प्रथम सप्ताह में तापमान सबसे ज्यादा रहता है। मौसम विभाग द्वारा कलर कोडेड वार्निंग जारी की जाती है। इसके साथ ही क्या-करें, क्या न करें संबंधी जानकारी भी आम लोगों के लिए साझा की जाती है।स्वास्थ्य विभाग से डॉ. सुजाता ने बताया कि गर्मी जानलेवा भी हो सकती है, इसलिए एहतियात बरतना बहुत जरूरी है। गर्मी का सबसे ज्यादा असर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों पर पड़ता है, इसलिए एहतियात जरूरी हैं। कार्यशाला में डॉ. विमलेश जोशी ने कहा कि हीट वेव या अत्यधिक गर्मी से जितना खतरा इंसानों को है, उतना ही खतरा पशुओं को भी होता है, इसलिए उनका ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी है। धूप में खड़ी कार में भी दरवाजे और खिड़की खोलकर रखें ताकि कार से हानिकारक गर्म हवा बाहर निकल जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचने के लिए मौसम विभाग के अलर्ट को सुनना और दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना जरूरी है। इस दौरान प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विशेषज्ञ जेसिका टेरोन, आईईसी विशेषज्ञ मनीष भगत के अलावा सभी जिलों के डीडीएमओ, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, वन, उद्यान, पंचायती राज विभाग, पिटकुल, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस विभाग आदि विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

ईवीएम पर न्यायालय के फैसले का स्वागत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। ऊधमसिंहनगर जिले के वकीलों ने ईवीएम पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे एक ऐतिहासिक फैसला बताया है। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष लोकतन्त्र सेनानी एडवोकेट सुभाष चंद्र छाबड़ा ने कहा कि काँग्रेस और कुछ विपक्षी दलों के ई.वी.एम पर आरोपों का सिलसिला अब बन्द हो जाना चाहिए और चुनाव में धांधली के आरोप लगा कर चुनाव आयोग को निशाना बनाना भी बन्द करना चाहिए ताकि दुनिया में भारत के चुनावों पर कोई उँगली ना उठा सके। अधिवक्ता कमल चिलाना ने कहा कि विपक्ष को अपनी हार का ठीकरा चुनाव मशीनों पर नहीं थोपना चाहिए बल्कि अपने अंदर की कमियों को तलाश कर उन्हें दूर करना चाहिए, युवा अधिवक्ता कुमारी सुरभि आहूजा ने कहा कि ई वी एम से मतदान महिलाओं को भी सुरक्षा देता है क्योंकि इन मशीनों से बैलट पेपर छीने या लूटने के अवसर खत्म हो गए हैं। बार के नवनिर्वाचित पुस्तकाल याध्यक्ष गौरव मिड्ढा ने कहा आज का फैसला बहुत ही सही है वकील समुदाय इसका स्वागत करता है। अधिवक्ता गुरुबाज सिंह नारंग ने कहा कि ई. वी. एम पर अब किसी प्रकार का आरोप नहीं लगाना चाहिए और विपक्ष को जिम्मेदार विपक्षी की तरह अपनी भूमिका अदा करनी चाहिए। वकीलों की बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेन्द्र गिरधर, सुरेन्द्र नरूला, बंटी ग्रोवर, होमी कुरेशी, प्रियंका मिड्ढा , मीरा चौहान बॉबी सागर , मनोहर सिंह, पूर्व सचिव नरेशकुमार छाबड़ा, नवनिर्वाचित उपसचिव विकास तिवारी , प्रियंकाशर्मा अरोडा, रविअरोड़ा, मदनलाल भाटिया, राघवसिंह, कीम तीराणा, संजयअरोड़ा, अखलाकमलिक जग्गू बिष्ट, सुधीर कुमार सिंह पूर्व डी.जी.सी (अपराध) वीरेंद्रचौधरी समेत तमाम वकील मौजूद थे। बैठक का संचालन महाविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अभिनव छाबड़ा ने किया।

होली चाइल्ड में बैडमिंटन और टेबल टेनिस टूर्नामेंट का शुभारम्भ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।होली चाइल्ड स्कूल में स्वर्गीय करतार देवी अंतर विद्यालय बैडमिंटन और टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन अनिल

कुम्बले द्वारा संचालित टेन्विक स्पोर्टस के सहयोग से किया, जिसमें रुद्रपुर, हल्द्वानी, रानीखेत और आसपास के क्षेत्रों से कुल 16 स्कूलों के खिलाडी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 28 अप्रेल तक चलेगी। इसमें रूद्रपुर व बिलासपुर क्षेत्र के स्कूल की टीम प्रतिभाग कर रही हैं। इस चैंपियन शिप में अंडर-13, 15 एवं 17 आयु वर्ग में 250 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों ने हिस्सा लिया। इन छात्रों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस के एकल और युगल दोनों मुकाबलों में हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का शुभारम्भ होली चाइल्ड स्कूल के संरक्षक योगराज बत्रा और विनय बत्रा की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्जवलित कर एवं स्व. करतार देवी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया। समारोह का विशेष आकर्षण संरक्षक योगराज बत्रा और विनय बत्रा द्वारा खेला गया उद्घाटन मैच था, जिसने पूरी चैंपियनशिप के लिए उत्साहपूर्ण माहौल तैयार कर दिया। विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने पूरे दिन बैडमिंटन और टेबल टेनिस के लिए अपने कौशल और जुनून का प्रदर्शन किया, रोमांचक मैचों में भाग लिया जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और खेल भावना का सच्चा सार प्रदर्शित किया। बैडमिन्टन प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयु , बालिका वर्ग में सनाया जुनेजा (एमेनिटी पब्लिक स्कूल) ने प्रथम स्थान, मनसा वर्षा (दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर), प्रियल भलारा (एमेनिटी स्कूल), टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 13 वर्ष से कम आयु वर्ग में अथर्व जुयाल (औरम स्कूल, हल्द्वानी),रूबल (दिल्ली पब्लिक स्कूल) द्वितीय, आयुष गुप्ता होली चाइल्ड स्कूल 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में युगल वर्ग में वासु एवं हर्षित, रूबल एवं आयुष्मान द्वितीय कनिष्क एवं पार्थ तृतीय रहे। प्रधानाचार्य मिन्टू दूबे ने बताया कि अनिल कुम्बले द्वारा संचालित टेन्विक स्पोर्ट्स अकादमी के अर्न्तगत बच्चों को इस अकादमी के विशेष कोचों द्वारा क्रिकेट, बैडमिंटन व टेबल टेनिस की कोचिंग दी जा रही है जिससे कि बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में भी आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सरपरस्त योगराज बत्रा, चेयरमैन आरके बत्रा, वाइस चेयरमैन विकास बत्रा, एमडी श्रीमति पूजा बत्रा, विनय बत्रा, विद्यालय के प्रधानाचार्य मिंटू दुबे, उपप्रधानाचार्य प्रदीप कुमार जोशी एवं श्रीमति मंजू अधिकारी, शारीरिक शिक्षा विभाग प्रमुख-सुधाकर सिंह, टेन्विक स्पोर्ट्स के क्षेत्रीय अधिकारी व कोच तथा सभी स्कूलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंस्पिरेशन स्कूल में इंग्लिश एक्सटेम्प्री प्रतियोगिता आयोजित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में कक्षा छह से कक्षा आठ के विद्यार्थियों के बीच इंग्लिश एक्सटेम्प्री प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जैसे रिडिंग इज फन, काइंडनेस, टाइम-टेबल, आई लव में क्लास रूम, साइंस एण्ड टेक्नोलोजी, ग्लोबल वर्मिंग, माई फेवरेट होलिडे डेसटिनेशन आदि थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वत: की कल्पना को आत्मविश्वास के साथ सभी के समक्ष प्रस्तुत करना था। इसी क्रम में कक्षा 6 में प्रथम स्थान पर रिद्धिमा अग्रवाल, जयादित्य जोशी, शंशाक पाण्डे, द्वितीय स्थान पर शौर्य राज, प्रिशा नेगी, रितिषा चौधरी, आश्रय तिवारी व तृतीय स्थान पर भार्गवी भण्डारी, प्रियांशी, जिया तिवारी, देवाक्षी सुयाल, हार्दिक भट्ट, कक्षा 7 में प्रथम स्थान पर अवनी, स्वर्णिम चौधरी शुभ्रा पाण्डे कृशव जोशी, द्वितीय स्थान पर उत्सत कौर, कुमुद बिष्ट, अदिति बरडोला, रियांश बिष्ट, काशवी तिवारी व तृतीय स्थान पर प्रियांशु जोशी, स्वर्णिका बल्यूटिया, काव्या काण्डपाल, मेघना नागरकोटी व कक्षा 8 में प्रथम स्थान पर शांतनु पंचपाल, हमजा खान, कर्तव्य जोशी, खुशी जोशी, द्वितीय स्थान पर मनुकृति पाण्डे, अबीर दयाल सक्सेना, कार्तिक वत्स, जसनील सिंह, वैष्णवी जोशी व तृतीय स्थान पर दिक्षांत त्रिपाठी, हर्षवर्धन रौतेला, दृष्टि तिवारी रहे। इनका चुनाव कन्टेन्ट, प्रोनाउनशिएशन, कान्फीडेन्स और ओवर आल इम्पेक्ट के आधार पर किया गया। निर्णायक की भूमिका में श्रीमती मधुमिता दास व श्रीमती प्रेरणा जोशी रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूजा जोशी ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग माथुर व उप-प्रधानाचार्या श्रीमती ममता तनेजा ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती रीता राठौर, श्रीमती पारूल अग्रवाल, श्रीमती हरजिंदर कौर, श्रीमती उर्मी रैना आर्या, श्रीमती उर्मिल जोशी, श्रीमती संतोष रावत व संजय गोस्वामी आदि शिक्षक -शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

श्री राम कथा शुरू से पूर्व निकली भव्य कलश यात्रा

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। सनातन धर्म मंदिर में 10 दिवसीय श्री राम कथा के शुभारम्भ से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गयी।। कलश यात्रा सनातन धर्म

मंदिर से सुरेंद्र नगर बाबा तारक नाथ धाम से टैगोर नगर होते हुये,सुभाष चौक से सनातन धर्म मंदिर पहुंची। श्री राम कथा 28 अप्रैल को मंगलाचरण गुरु वंदना के साथ प्रारंभ होगी। 29 को शिव विवाह उत्सव, 30 अप्रैल को श्री राम जन्मोत्सव, एक मई को बाल लीला, धनुष भंग, दो को श्री राम जानकी विवाहोत्सव, तीन को श्री राम वन गमन, चार को केवट प्रसंग, पांच को भरत चरित्र, छह मई को राम राज्याभिषेक, दीपोत्सव, होली उत्सव प्रसंग पर श्री रामानुज संप्रदायाचार्य प्रेममूर्ति पूज्य संत स्वामी लक्ष्मण दास जी प्रवचन करेंगे। श्री राम कथा में नित्य सुबह भागवत पूजन एवं श्री लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन होगा। श्री राम कथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से 6:30 बजे तक होगी।

राहगीरों को ठंडा शरबत बांटकर गर्मी से दिलाई राहत

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। सुभाष चौक पर बंगाली महासभा मण्डल अध्यक्ष व पूर्व युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष विश्वजीत हालदार व हालदार परिवार की ओर से तपती गर्मी से राहगीरों को राहत दिलाने के लिए छबील लगाकर मीठा जल वितरित किया गया। पूर्व भाजपा युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष विश्वजीत

हालदार ने कहा कि वे सदैव समाज हित के कार्यो में प्रथम पंक्ति में खड़े होकर अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे। इस मौके पर दीपक कालरा, मिलन राय , सपन सरकार , मिथुन मंडल,रोहित हालदार , विशाल मजूमदार, राकेश मंडल,उत्तम मण्डल,विक्रम ढाली,निरंजन हीरा,रामु भंडारी,विश्वनाथ मण्डल, आदि मौजूद थे।

कार्यशाला में हिन्दी क्षमता निर्माण पर दिया जोर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड देहरादून द्वारा 'हिंदी क्षमता निर्माण कार्यशाला' का आयोजन 23-24,अप्रैल को नालंदा पब्लिक स्कूल किशोर निर्देशक मंजुला किशोर प्रधानाचार्य श्रीमान मुकेश राय सीबीएसई की ओर से नियुक्त ,विषय विशेषज्ञ डॉ मदन सिंह रावत एवं श्रीमती आशा बाजपेई द्वारा पहलुओं पर, भाषा कौशल पर मूल्यांकन एवं आकलन पर तथा उसके मूल्यांकन स्तरों , अधिगम, पाठ योजना, अनुच्छेद लेखन आदि विषयों पर प्रकाश डाला । चाहिए क्यों कि हिंदी का सम्मान देश का सम्मान है। कार्यशाला को रोचक बनाने के लिए चार्ट द्वारा विज्ञापन लेखन,लेखक का अवधारणा चित्र ,पाठ योजना,कहानी

किच्छा में किया गया इसमें हिंदी भाषा शिक्षण में आने वाली चुनौतियां एवं उनके समाधान पर चर्चा की गईस कार्यशाला में लगभग 48 शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के संयुक्त निदेशक डॉ राहुल संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करते हुई किया गया । बच्चों द्वारा सरस्वती वंदन , स्वागत गान प्रस्तुत किया गया । उत्तराखंड की लोक संस्कृति की प्रस्तुति ने सभी का मन गदगद कर दिया। डॉ मदन सिंह रावत ने हिंदी विषय के विभिन्न कक्षा को रुचिकर बनाने के गुण सिखाए ।आशा बाजपेयी ने बच्चों भी रचनात्मक शैली के विकास तथा शिक्षण कार्य को व्यावहारिक सहज, सरल एवं उत्साह वर्धक बनाने के गुरु सिखाए । उन्होंने कहा कि हमें हिंदी शिक्षक होने पर गर्व होना एवं संवाद का मंचन किया गया प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावलोकन हुआ।कविता पाठ करवाते हुएवाचन,पाठन करवाकर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। सभी के सहयोग से हर्षोल्लास भरे वातावरण में राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

धामी की आदर्श चम्पावत की परिकल्पना को साकार करने के लिए ग्रामीण हुए एकजुट

छीनीगोठ के ग्रामीणों ने आदर्श गांव का लिया संकल्प

चंपावत(उद संवाददाता) ।मुख्यमंत्री के आदर्श चंपावत की परिकल्पना को साकार रूप देने के उद्देश्य से अब ग्रामीण भी मैदान पर उतर गए हैं जिले के छीनी गोठ टनकपुर के ग्रामीणों ने आदर्श गांव बनाने का संकल्प लेते हुए गांव में स्वच्छता और नशे के प्रति लोगों को जागरूक करने की मुहिम शुरू कर दी है। पंचायत घर भवन छीनी गोठ में मुकेश जोशी की अध्यक्षता व राजन जोशी के

संचालन में आयोजित बैठक में ग्रामीण ने मुख्यमंत्री की परिकल्पना के तहत गांव को भी आदर्श बनाने का संकल्प लिया है। जिसके तहत ग्रामीणों द्वारा रोजाना तल्ली छीनी खेल ग्राउंड में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही गांव में सड़क किनारे पौधा रोपण और जगह-जगह कूड़े के निस्तारण करने गांव के युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने व गांव में विभिन्न सामाजिक , शैक्षिक कार्य व नशा उन्मूलन के कार्य किए जाने की बात कही है।इस अवसर पर ग्रामीणों ने बताया कि छिनिगोठ सड़क में प्रतिदिन सेकड़ो की संख्या में लोग मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉक के लिए आते हैं जिससे उनमें इससे जोड़ कर गांव का विकास किया जायेगा। इस अवसर पर बलवंत सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह, नवीन जोशी, श्याम दत्त पांडे,राजेंद्र सिंह, मलसूनी, रमेश चंद्र जोशी, संजय चौड़ा कोटी, गोविंद चौड़ा कोटी, जगदीश पंत, अंबादत्त, शहिद अन्य ग्रामीण भी रहे मौजूद थे।

गुंडागर्दी करने वाले भाइयों के खिलाफ मुकदमा

काशीपुर(उद संवाददाता)। गुंडागर्दी करने वाले दो सगे भाइयों के खिलाफ पुलिस ने तहरीर के आधार पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मौ. पक्काकोट निवासी कौशर पुत्री अब्दुल वाजिद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मौ. पक्काकोट निवासी राहिल-साहिल पुत्रगण शकील आये दिन उसके साथ गाली गलौच व मारपीट करते हैं। उसने बताया कि दिनांक 24.4.2024 को उसका भाई कमाल फैक्ट्री से काम करके घर आ रहा था तो उक्त दोनों भाई उसे रास्ते में से उठाकर ले गये और उसके भाई को बहुत बुरी तरीके से मारा पीटा और उससे कुछ सामान व फोन भी ले लिया।कौशर ने बताया कि उसके भाई की तबियत सही नहीं है। उसका आयुष्मान अस्पताल, काशीपुर में आईसीयू में इलाज चल रहा है। कुछ दिनों पहले इन लोगों ने उसके बड़े भाई गुलाब को भी बहुत बुरी तरीके से मारा पीटा था। उसके पिता कैंसर से पीडित हैं तथा भाई ही परिवार का सहारा हैं। उसने राहिल-साहिल के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। कौशर की तहरीर के आधार पर पुलिस ने उक्त राहिल-साहिल के खिलाफ धारा 323, 341, 342, 504, 506 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर अब यूट्यूब की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

ईवीएम की आशंकायें खारिज

एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर आशंकाये उठाना उचित नहीं है। देश की सर्वोच्च अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। दरअसल ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां–कहां कुल पड़े मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बढ़ा सकती है। ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले। फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस मांग को खारिज कर दिया। दरअसल इस तरह मतदान की गोपनीयता का उल्लंघन होने का खतरा था। मगर इसमें अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। उसने एक और रास्ता खोल दिया है कि अगर कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इसे बहुत से लोग बड़ी राहत की बात मान रहे हैं। इस तरह गड़बड़ियों की जांच हो सकेगी। पर अब यह तो तय है कि ईवीएम को लेकर जिस तरह के भ्रम बने हुए थे, वे याचिकाकर्ताओं के मन से काफी हद तक दूर हो चुके होंगे। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। इसके पहले भी कई मौकों पर इसे चुनौती दी गई थी। पिछले आम चुनाव के वक्त भी इस मसले को काफी तूल दिया गया था। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार–बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। राजनीतिक दलों को मशीन पर शक करने के बजाय मतदाताओं पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है। मशीन पर आशंकायें उठाये जाने से मतदाताओं के भीतर भ्रम पैदा हुआ है और यह राजनीतिक दलों के लिए हार जीत के बाद गेमचेजर आरोपो को हवा देने का काम कर रहा है। हालांकि निर्वाचन आयोग को भी इसे हार–जीत की तरह नहीं लेना चाहिए, हर मतदाता अपने वोट के अधिकार का सदुपयोग कर लोकतंत्र की दशा और दिशा तय करता है। चुनाव आयोग को ईवीएम को विश्वसनीय बनाए रखने के जो भी उपाय हो सकते हैं, उन्हें अपनाने में उसे गुरेज नहीं होना चाहिए। भविष्य में नये विकल्पों पर ऑनलाईन वोटिंग के साथ काउंटिंग का विकल्प भी तैयार किया जा सकता है जो मतदान प्रतिशत बढ़ाने में कारगार साबित हो सकता है।

मतदाताओं की बढ़ती उदासीनता

देश में हुए दो चरणों के चुनाव में 190 सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी कुल 543 में से 35 प्रतिशत संसदीय क्षेत्रों के उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो चुका है। इन दो चरणों में हुए कम मतदान ने राजनीतिक दलों के साथ मतदाता को भी भ्रमित कर दिया है। मतदाताओं की उदासीनता को सरकार के खिलाफ एंटीइनकमबैंसी को भी माना जा रहा है। जबकि चुनाव प्रचार चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो ओबीसी के कोटे में कांग्रेस द्वारा कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण देने का मुद्दा उछालकर हिंदु वोटों को ध्रुवीकृत करने का काम भी किया, बावजूद मतदान का नहीं बढ़ना भाजपा के लिए चिंता का सबब बन गया है। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद दूसरे चरण में भी मतदान में कमी ने भाजपा नेताओं की परेशानी बढ़ा दी है। दूसरे चरण में उन महिला मतदाताओं अर्थात लाडली बहनों ने भी कम मतदान किया है, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में बढ़–चढ़कर मतदान करके भाजपा को 163 सीटें दिलाई थीं। मतदाता के इस रुख के चलते जीत–हार का अनुमान लगाने वाली एजेंसियां भी असमंजस में है। मतदाता की उदासीनता ने ऊंट किस करवट बैठेगा, यह संशय बढ़ा दिया है। लोकतंत्र में वैसे तो जनता देश की भाग्य–विधाता होती है, लेकिन जीत के बाद नेता और दल जनता के भाग्य–विधाता विकास का दावा करते–करते बन जाते है। इस कथित भाग्य–विधाता की दूसरे चरण में हुए कम मतदान के बाद नींद उड़ी हुई है। कम मतदान को राजनैतिक दल अपने हिसाब से परिभाषित करते हैं। ज्यादातर इसे सत्ताधारी दल के विपरीत हुआ मतदान माना जाता है। लेकिन नरेंद्र मोदी के आक्रामक प्रचार और हिंदुओं के ध्रुवीकरण की रणनीति के चलते फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि मतदाता ने अपना रुख बदल दिया है। 60 प्रतिशत के आसपास पहुंचा मतदान अभी भी इस बात का संकेत है कि समूचे देश में भाजपा की बढ़त बनी हुई है। लेकिन जिस मध्यप्रदेश में भाजपा को लाडली बहनों से सबसे ज्यादा उम्मीद थी, वे मतदान के प्रति उदासीन दिखाई दी है। दूसरे चरण में खजुराहो, टीकमगढ़, दमोह, होशांगाबाद, रीवा और सतना में 59 प्रतिशत मतदान हुआ है। जबकि यहां 2019 में 67 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 की तुलना में इनमें से चार सीटों पर महिलाओं ने कम मतदान किया है। टीकमगढ़ में 2019 में 63.80 प्रतिशत

मतदान हुआ था, जबकि 2024 में 56.35 प्रतिशत रह गया। सतना में 2019 में 70.77 था, जो अब 59.21 रह गया। खजुराहो में 2019 में 64.76 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो अब 53.06 रह गया। हालांकि दमोह और होशांगबाद में महिलाओं ने वोट 2019 की तुलना में ज्यादा डाले। दो चरणों में 190 सीटों पर हुए मतदान में ज्यादातर सीटों पर कम मतदान के चलते भाजपा को झटका लगा है। जबकि अच्छे मतदान के लिए भाजपा ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर सूक्ष्म प्रबंधन के दावे किए थे। कार्यकर्ताओं को जुटाकर अमित शाह तक ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के गुर सिखाए थे। उधर जिला प्रशासन भी अधिक मतदान के लिए उन सब टोने–टोटकों को आजमाता रहा है, जिन्हें मतदान बढ़ाने का परंपरागत फार्मूला माना गया है। हालांकि इन टोटकों में ज्यादा कुछ असरकारी कभी दिखाई नहीं दिया। प्रशासन की हुंकार पर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ताओं और स्व–सहायता समूह की महिलाओं को इकट्ठा करके मानव श्रृंखला बनाकर और कुछ नारे लगाकर इन टोटकों की इतिश्री न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश में कर ली जाती है। जिसके नतीजे लगभग शून्य होते हैं। बहरहाल भाजपा संगठन इस तैयारी में लगा रहा था कि मतदान लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ जाए। इस नाते भाजपा ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर 370 वोट बढ़ाने का पाठ भी कार्यकर्ताओं को पढ़ाया था। परंतु हुआ इसका उल्टा, 10 से 12 प्रतिशत तक मत–प्रतिशत कम हो गया। साफ है, वोट बढ़ाने का फार्मूला कारगर साबित नहीं हुआ है। संभव है अगले पांच चरणों में भी अब यही ट्रैंड देखने में आए ? मध्यप्रदेश में भाजपा ने विधानसभा चुनाव में युद्ध स्तर पर मतदान केंद्रों तक मतदाता को पहुंचाने की जिम्मेबारी लेते हुए वोट–प्रतिशत 48.55 प्रतिशत तक पहुंचा दिया था। इसी का नतीजा रहा कि 230 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 163 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली थी। भाजपा के इस केंद्र प्रबंधन की तारीफ भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी हुई। अतएव इसी फार्मूले को लोकसभा चुनाव में भी अजमाने के प्रबंध किए गए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को कार्यशालाएं लगाकर प्रशिक्षित भी किया गया। लेकिन मत–प्रतिशत बढ़ने की बजाय घट गया। कार्यकर्ता और मतदाता के उदासीन होने के कारणों में विधानसभा चुनाव परिणाम में स्पष्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री के चयन में उम्मीद से ज्यादा देरी और फिर मंत्रीमंडल के गठन में भी इसी देरी को दोहराना प्रमुख कारण रहे हैं। इस उदासीनता के पीछे एक बड़ा कारण शिवराज सिंह चौहान को हाशिए पर डालना भी रहा है। जबकि विधानसभा चुनाव में जीत का प्रमुख आधार उनकी लाडली लक्ष्मियां और बहनें रही हैं। शिवराज की लोक–लुभावन भाषण कला भी इस बड़ी जीत का एक राज रही है। जबकि मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लेकर अब तक उनका करिश्माई नेतृत्व किसी भी क्षेत्र में देखने में नहीं आया है। हालांकि अब नरेंद्र मोदी ने कहा है कि शिवराज को केंद्र में ले जाएंगे। देश और मध्यप्रदेश में कम मतदान की झलक यह जता रही है कि फिलहाल कांग्रेस शून्य नहीं हो रही है। सुविधा भोगी मतदाता ने कम मतदान किया है। ज्यादातर शहरी मतदाता इन दोनों चरणों में शुक्रवार को मतदान के चलते शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण सपरिवार पर्यटन पर निकल गया। नतीजतन ऐसे लोगों ने मतदान की जिम्मेदारी से पलड़ा झाड़ लिया। दूसरी तरफ दलों और कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने से किनारा कर लिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह किनारा इसलिए किया, क्योंकि वे इस अतिविश्वास के शिकार हो गए हैं कि मोदी और राम में लहर बन जाने के कारण भाजपा 400 पार जा रही है। कांग्रेस और अन्य दलों के कार्यकर्ता इस गलतफहमी में हैं कि मोदी लहर के चलते उनके दल का पार पाना मुश्किल है। इसलिए उसने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने से दूरी बनाए रखी। कांग्रेस के पास संसाधनों की कमी के चलते भी यह स्थिति देखने में आई है। विपक्षी दल मतदाता को मुद्दों के आधार पर लुभाने में भी सफल नहीं हुए। विपक्षी दलों के बिखराव ने भी मतदाता को उदासीन बनाने का काम किया है। मतदाता ने सोच बना लिया कि इंडिया गठबंधन बन जाने के बावजूद इसका कोई केंद्रीय नेतृत्वकर्ता सामने नहीं है। इसलिए मोदी पर भरोसा करना ही ठीक है। लेकिन यह उदासीनता देशहित में कतई उचित नहीं है।

प्रमोद भार्गव, लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

पेड़ पौधों को अपना दोस्त समझें

रोड डिवाइडर के पौधों के भाग्य में शायद बिना पानी के मर जाना ही लिखा है। अभी 23 अप्रैल को मैं हल्द्वानी से रुद्रपुर गया था वहां रोड डिवाइडर पर सूख रहे पौधों को देखकर मन को बड़ी पीड़ा हुई। पिछले वर्ष जी 20 सम्मेलन के पहले तत्कालीन जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त और जिला प्रशासन के प्रयासों से डिवाइडर पर बहुत सुन्दर फूलों के पौधे लगवाए गये थे जिनसे शहर बहुत सुन्दर लगने लगा था। मैं भी तब यहां जिला आयुर्वेद अधिकारी के रूप में कार्यरत था। एक मुलाकात के दौरान मैंने जिलाधिकारी पन्त से तब कहा भी था कि आपने शहर के सौन्दर्यीकरण के लिए इतने पौधे लगवाए हैं पर शायद यह ज्यादा समय तक बच नहीं पाएंगे। ये मैंने किसी नकारात्मक सोच के कारण नहीं बल्कि अपने अनुभव के आधार पर कहा था। अप्रैल 2011 में मैं किसी काम से रुद्रपुर गया था तब वहां पौधों की दुर्दशा देखकर मैंने तत्कालीन जिलाधिकारी से इन्हें बचाने की गुहार लगायी पर कोई कार्यवाही नहीं होने पर 5 दिन बाद मैं रुद्रपुर में डीएम कार्यालय के बाहर अनशन पर बैठ गया था। तब जाकर पौधों की सिंचाई की व्यवस्था हो पायी थी। उस समय आरटीआई से मालूम पड़ा था कि पीडब्ल्यूडी द्वारा

सिंचाई पर प्रतिमाह लगभग 42 हजार रुपये खर्च दिखाए गए थे। जबकि वास्तविकता में पौधों को बूंद भर भी पानी नहीं मिल रहा था। अनशन के बाद टैंकरों से पानी डाला जाने लगा था। 2017 में मैं ट्रांसफर होकर रुद्रपुर आया तो फिर से पौधों का हाल बुरा देखा। इस बार मैंने तय किया कि अब मैं रुद्रपुर में ही हूँ तो अपने पैसे से खुद टैंकर से पानी डालूंगा। दो टैंकर पानी डलवाया भी तभी नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त जय भारत सिंह को किसी ने मेरे बारे में बताया तो उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि सिंचाई अब निगम द्वारा करायी जायेगी। बाद में यह नैशनल हाईवे चौड़ा करके फिर से बनाया गया। तब डिवाइडर भी तोड़ कर दोबारा बनाए गए। जी 20 सम्मेलन के समय इन डिवाइडरों पर पौधे लगाकर सौंदर्यीकरण किया गया जो अब फिर बदहाल है। मेरी जानकारी के अनुसार सड़कों और डिवाइडर, उनके पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी इन्हें बनाने वाली एजेंसी की होती है। इन पौधों की सिंचाई के बारे में मैंने वर्तमान नगर निगम आयुक्त नरेश दुर्गापाल से अनुरोध किया। सरल और सम्वेदनशील श्री दुर्गापाल ने तत्काल टैंकरों से सिंचाई की व्यवस्था करा दी है। निगम की सीमा में तो सिंचाई शायद हो जाएगी पर जिले के दूसरे मार्गों पर पौधों को पानी कौन देगा यह यक्षप्रश्न है। हम सभी को पेड़ पौधों की कीमत समझनी चाहिए। पेड़ हैं तभी हमारी सांसे चल रही हैं। आश्चर्य है कि इन रास्तों से रोज लाखों लोग गुजरते हैं। इनमें सामान्य जनता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी, नेता, अभिनेता सभी ने गुजरते हुए इन सूखते हुए पौधों को देखा होगा पर किसी ने भी इनके बारे में ना सोचा ना आवाज उठाई। इनमें से 90 प्रतिशत लोगों ने 22 अप्रैल को व्हाट्स एप पर पृथ्वी दिवस पर संदेश भेजे होंगे पर सामने दिख रहे सूखते पौधों के लिए कुछ करना जरूरी नहीं समझा। मेरा सभी से अनुरोध है कि पेड़ पौधों को अपना दोस्त समझें अगर इन्हें कष्ट में देखें तो इनके लिए कुछ ना कुछ जरूर करें।

डॉ. आशुतोष पन्त , पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी/पर्यावरण कार्यकर्ता, हल्द्वानी

गौ सेवा समस्त देवों की सेवा है

भारतीय संस्कृति में गौ का महत्व गायत्री और गंगा से भी बढ़ कर है। परम पूज्य, प्रातः स्मरणीय, गौ माता की बड़ी अदभुत महिमा है। गौ माता में 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास है। यह कोई कपोल कल्पित बात नहीं है। गौ माता की रक्षा में हँसते–हँसते बलिदान हो जाने पर निश्चित रूप से उत्तम गति प्राप्त होती है। गौ माता जहाँ हमारी पूज्या हैं वहीं वह साक्षात् अनंतकोटी ब्रह्माण्डनायक परात्पर ब्रह्म भगवान श्रीकृष्ण की भी पूज्या और परम ईष्ट है। पूज्य गौ माता के बिना हिन्दू–जाति, हिन्दू धर्म, हिन्दू सभ्यता–संस्कृति की कभी रक्षा नहीं हो सकती। मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्री राम के पूर्वज राजा दिलीप ने अपने कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ की बछिया नन्दिनी की रक्षा के लिए शेर को अपना शरीर अर्पण कर दिया किन्तु जीते जी उसको हिंसा नहीं होने दी। पांडव शिरोमणि अर्जुन ने गौ रक्षा के लिए 12 वर्षों तक वनवास की कठोर याजना स्वीकार की। परन्तु वे दिन अब चले गए। हिन्दू जाति दुर्बल हो गई है। यही कारण है कि हमारी इस पवित्र भूमि पर प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाय काटी जा रही है। हम सभी

मूक बने यह सब देख रहे है। दिलीप और अर्जुन के इतिहास को पड़ने व सुनने से अब हमारी नसों में जोश नहीं भरता। हमारी नपुंसकता सचमुच दयनीय है। भारतीय संविधान की धारा 48 में गोवंश को संरक्षण दिया गया है। परन्तु हमारी सरकार स्वयं इसका उल्लंघन कर रही है। जब भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था तब लोकमान्य तिलक ने कहा था कि भारत के स्वतंत्र होते ही कलम की एक नोक से गौ हत्या बंद करा दी जाएगी। महात्मा गाँधी कहते थे गौ हत्या को देखकर ऐसा लगता है कि मेरी आत्मा की हत्या हो रही है। खेद है कि इन महापुरुषों के सपने उनके अपने देश में आज तक पूर्ण नहीं हो पाए हैं। सपने पूर्ण होना तो दूर आज हमारी सरकार नए–नए कत्लखाने खुलवा कर, गोवंश को कटवाकर उसके चमड़े तथा मांस को निर्यात कर रही है। देश में पशुधन निरंतर घटता जा रहा है। कुछ वर्ष पूर्व राजस्थान के सरहदी गावों में जिन्दा गायों तक की खाल उतार ली गई। पशु मेलों में पशु व्यापारी खेती के नाम पर गाय खरीद कर ट्रकों से दूसरे राज्यों में कटने के लिए भेजते हैं। गायों की रक्षा हेतु कानून बने हैं लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा। कसाई से जब्त पशुधन को कहाँ रखा जाए, चारे पानी की व्यवस्था कौन करेगा आदि–आदि। इन बातों की कानून में कहीं कोई व्यवस्था नहीं है। आज गोवंश की रक्षा करना अति कठिनतम कार्य बन गया है। लोग–बाग कत्ल–खानों की स्थापना को प्रोत्साहन दे रहे है। अपने जिस देश में कभी घी–दूध की नदियाँ बहती थी और जहाँ दूध बेचना पूत बेचने के समान था वहीं आज गायों के खून की नदी बह रही है। गायों की रक्षा हेतु सामाजिक संस्थाओं को विचार करना चाहिये एवं उचित उपाय भी करने चाहिए केवल कोरी भाषणबाजी से काम नहीं चलेगा, काम करने से होगा।

प्रस्तुति–नरेश कुमार सेठ

ईवीएम की सेफ्टी को लेकर सवाल तार्किक : हरदा

देहरादून(उद संवाददाता)। पूर्व सीएम एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने सोशल मीडिया के जरिये एक पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि चोर की दाढ़ी में तिनका, श्री गणेश गोदियाल जो कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी हैं, उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखे बैलट/ईवीएम बॉक्सेज की सेफ्टी को लेकर कुछ तार्किक सवाल खड़े किए हैं! जैसे मुख्य दरवाजे पर कैंडीडेट्स की सील का न लगाया जाना, देहरादून में अंदर स्ट्रांग रूम में भी जहां बक्से रखे हैं सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, न स्ट्रांग रूम के पीछे जहां खिड़कियां, रोशनदान आदि कच्ची ईंट की दीवारों से बंद तो कर दिए गए हैं मगर काम अस्थाई है और पीछे के हिस्से में कहीं भी सीसीटीवी कैमरे नहीं है, छत पर जो मूवमेंट है उसको दर्शाने वाले सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, कम से कम जो डिस्प्ले रूम बनाए गए हैं जहां कैंडीडेट्स या उनके प्रतिनिधियों की एक्सेस है वहां तो सीसीटीवी कैमरे का उपयोग दिखाई नहीं दे रहा है। प्रश्न आइटीबीपी, पुलिस या प्रशासन पर अविश्वास का नहीं है, श्री गणेश गोदयाल जी सहित हमारा उन पर पूर्ण विश्वास है। श्री गणेश गोदियाल जी ने अपना वही दायित्व पूरा किया है, मगर भाजपा बौखलाई दे रही है। सवाल प्रशासन से है, मगर बौखलाहट भाजपा में है, इसको कहते हैं चोर की दाढ़ी में तिनका।

शार्ट सर्किट से कई ग्रामीणों के घरों में विद्युत उपकरण फुंके

मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया एसडीओ का घेराव

रामनगर(उद संवाददाता)।रामनगर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पीरूमदारा में स्थित मानसरोवर कॉलोनी में शुक्रवार की शाम ट्रांसफार्मर में हुए अचानक भीषण फाल्ट के बाद कॉलोनी में स्थित कई घरों में विद्युत उपकरण फुंक गए ।इस घटना के बाद जहां एक और ग्रामीण काफी दहशत में आ गए तो वहीं कई घरों में विद्युत उपकरणों से आग निकलने से भी ग्रामीण घबरा गए। घटना को लेकर शनिवार को इस कॉलोनी के कई ग्रामीणों ने रामनगर विद्युत कार्यालय पहुंचकर एसडीओ डी एस निखुरपा का घेराव करते हुए इस समस्या का समाधान करने के साथ ही कॉलोनी की पूरी विद्युत लाइन की जांच कराने की मांग करते हुए जिन जिन ग्रामीणों के विद्युत उपकरण फूंके हैं उन्हें विभाग द्वारा मुआवजा देने की भी मांग की। मामले में एसडीओ ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि संबंध में संबंधित जेई को मौके पर जाकर लाइन की जांच

करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामीणों के उपकरण फुंके हैं इसका आंकलन किया जा रहा है तथा विभाग द्वारा नियमानुसार मुआवजा देने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कल से इस घटना की जानकारी संबंधित कर्मचारियों द्वारा अभी तक न दिए जाने को लेकर इसकी भी जांच की जाएगी जिस किसी कर्मचारी की भी लापरवाही सामने आई तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

आग बुझाने लिए जुटी फायर ब्रिगेड

बागेश्वर(उद संवाददाता)। वनों में आग लगने की घटनाएं बढ़ते जा रही है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है, वही फायर सीजन में विभिन्न स्थानों में जंगलों में लगी आग बेकाबू होते जा रही है।कई स्थानों में जंगलों में लगी आग आवासीय क्षेत्रो तक पहुंच जा रही है।वही वनाग्नि रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता और वनाग्नि रोकने और वनों को आग लगाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए है, परंतु फिर भी लोगों द्वारा वनों को आग लगा दी जा रही है।वही जंगल तो जंगल जिला मुख्यालय के समीप भी जंगल धु धु कर जल रहे हैं, जब जिला मुख्यालय में विकास भवन,जिलाधिकारी कार्यालय के समीप ही सूखे क्षेत्र को आग के हवाले कर दिया जा रहा है तो फिर जिले के दुरस्थ स्थानों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं आम हो जाती है।शुक्रवार को देर शाम जिलाधिकारी कार्यालय के समीप जंगल मे आग लगा दी गई, जिसके बाद आग भयावह हो गई। वही आग को बुझाने के लिए आग बुझाने में लगी टीम को कड़ी

मशक्तकरनी पड़ी।वही फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना मिलते ही एफएसओ गोपाल सिंह रावत के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की टीम ने जंगलों में लगी आग को भयावह होने से रोका।जहाँ सुबह पौड़ी धार के समीप जंगल में आग लगने से ताकुला रोड पौड़ीधार के समीप होटल/ रिस्टोरेंट की ओर बड़ रही थी। फायर यूनिट द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आग को काबू कर बुझाया गया।वही दोपहर बाद कांडा रोड के यूको बैंक के समीप जंगल की आग पहुंचने केबाद रमेश कांडपाल और मोनिश खान के छत में रखे एक हजार लीटर के प्लास्टिक वाटर टैंक जल गए।जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने मोर्चा संभालकर आग को फैलने से रोका,वही देर शाम जिलाधिकारी कार्यालय के समीप भयावह हुई आग पर भी फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मसशक्त्त के बाद आग को बुझाया, और बड़ा हादसा होने से रोका।इस दौरान फायर टीम में अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत, आईएफएम गणेश चंद्र,चालक चंद्र प्रकाश, जगदीश सिंह फायरमैन दीपक वर्मा केदार सिंह, जितेंद्र पाल हिमांशु पाठक, फायर वूमेन रीता, रश्मि, कृति बिष्ट व पूजा आदि मौजूद थे।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी पुलिस कस्टडी से हुआ फरार

बागेश्वर(उद संवाददाता)।पुलिस कस्टडी में पेशी के लिए जिला न्यायालय लाया जा रहा एक आरोपी कस्टडी के दौरान न्यायालय में पेशी के दौरान पुलिस टीम को चकमा देकर फिल्मी अंदाज में फरार हो गया,आरोपी के फरार होने की

सूचना मिलते ही सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया।जिसके बाद पुलिस टीम चौकन्ना हो गई।वही सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने पुलिस टीम को सतर्क रहते हुए आरोपी की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए, वही पुलिस उपाध ीक्षक अंकित कंडारी को फरार हुए आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। वही आरोपी पुलिस टीम को चकमा देकर बिना चप्पल पहने हुए आसानी से भागने में कामयाब हो गया।आरोपी जजी परिसर से भागकर मजियाखेत काफलखेत क्षेत्र से भागकर मेंहरबुंगा के रास्ते जंगल मे दफौट रोड की ओर भाग गया।पकड़े जाने के भय से आरोपी ने अपने कपड़े भी एक जगह पर उतार दिए और दूसरे कपड़े में भागने लगा था।जिसके बाद आरोपी आवासीय क्षेत्रों से भागकर पुलिस को मजियाखेत क्षेत्र में ही खोजबीन करने को लेकर पुलिस को चकमा देकर दूसरी पहाड़ी से भागने की फिराक में था, तभी पुलिस उपाधीक्षक अंकित कंडारी के नेतृत्व में चल रहे अभियान में सीओ कंडारी ने दूसरी पहाड़ी से किसी संदिग्ध के देखने की सूचना मिली,वही फरार हुआ आरोपी भूख मिटाने के लिए मेंहरबुंगा के समीप एक बारात समारोह में भी चले गया था, जहाँ वह फिर वहां से भाग गया, जहाँ पुलिस उपाधीक्षक कंडारीने उसे पूर्ति विभाग के खाद्यान विभाग के गोदाम के समीप से एक घण्टे के अंतराल में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।एसपी कोंडे ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दीवान राम पुत्र मदन राम निवासी ग्वालदे नौगांव गरुड़ क्षेत्र का रहने वाला है, जिस पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा चल रहा था, जहाँ आरोपी पेशी के लिए जिला न्यायालय में ले जाया गया था जहां वह सुरक्षा में तैनात पुलिस टीम को चकमा देकर फरार हो गया था।फरार हुए आरोपी को पुलिस टीम द्वारा एक घण्टे के अंतराल में ही पकड़ लिया गया है।बताया कि फरार आरोपी की धरपकड़ के लिए कोतवाली पुलिस चीता पुलिस के जवान एसओजी सहित विभिन्न पुलिस टीमों ने अपनी सतर्कता से भागे हुए क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर फरार आरोपी की धरपकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया।वही लोगों ने भी पहली बार मित्र पुलिस को इतना सजग देखा, और लोग इस पर चर्चा करते नजर आए।वही पुलिस उपाधीक्षक कंडारी के नेतृत्व में चले अभियान में कोतवाली पुलिस सहित एसओजी सहित सभी पुलिस टीमें आसपास के क्षेत्रोंमेंखोजबीन करने में जुट गई जिसके बाद पुलिस उपाधीक्षक अंकित कंडारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने विभिन्न पुलिस टीमों को एक साथ जगह जगह छापेमारी की।जिसके बाद फरार आरोपी को पुलिस की सतर्कता से गिरफ्तार कर लिया गया।वही पुलिस अधीक्षक कोंडे ने पुलिस उपाधीक्षक सहित कोतवाली पुलिस और खोजबीन में जुटी पुलिस टीम को सम्मानित करने की बात कही।

बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी

देहरादून। उत्तराखंड में बिजली दरों में करीब सात प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। नियामक आयोग ने आज नई दरें जारी की। बीपीएल के 4.5 लाख उपभोक्ताओं, स्नो बाउंड उपभोक्ताओं और फिक्स्ड चार्ज में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक बिजली खर्च करने पर 25 पैसे, 101 से 200 यूनिट पर 30 पैसा, 201 से 400 यूनिट तक 40 पैसा प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष एमएल प्रसाद ने बताया कि सोलर वाटर हीटर में छूट 75 रुपये प्रति 50 लीटर रखी गई है। प्रदेश में बिजली के दामों में 8 से 11 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही थी। यूपीसीएल ने 23 से 27 प्रतिशत बढ़ोतरी मांग की थी, जिसके सापेक्ष नियामक आयोग उपभोक्ताओं की जरूरत के हिसाब से अपना फैसला लेने की बात कही थी। इस साल यूपीसीएल ने बिजली खरीद पर सालाना 1281 करोड़ का हवाला देते हुए मांग की थी कि बिजली की दरों में 23-27 फीसदी की बढ़ोतरी की जाए। उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने इस याचिका पर प्रदेशभर में जनसुनवाई, सभी हितधारकों से बातचीत के बाद बिजली की नई दरों को अंतिम रूप देकर इस सप्ताह के अंत या सोमवार तक बिजली दरें घोषित की किए जाने की बात कही थी। सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद आयोग आठ से 11 प्रतिशत तक बिजली दरों में बढ़ोतरी कर सकता है, ऐसा संभावना जताई जा रही थी, लेकिन बिजली दरों में करीब सात प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

पेज एक का शेष...

धधकते जंगलों को बचाने के लिए...वन विभाग के नियंत्रण के सारे प्रयास विफल हो गए। इसके ठीक ऊपर लड़ियाकांटा की पहाड़ी है, जहां वायु सेना का स्टेशन है। शाम को ही दो हेलीकाप्टर यहां पहुंच गए थे। प्रशासन ने पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए नैनीताल, भीमताल, सातलाल और नौकुचियाताल झील में नौकायन बंद कराने का आदेश जारी किया। नैनी झील और भीमताल में हेलीकाप्टर से रेकी की गई, मगर अंधेरा हो जाने के कारण किसी भी झील से पानी लिफ्ट नहीं किया जा सका। शनिवार सुबह 6:30 बजे दोनों हेलीकाप्टर ने फिर से रेकी की। 7:30 बजे भीमताल झील से पानी लिफ्ट करना शुरू किया गया। बकेट में पानी भर इन हेलीकाप्टर ने जंगल में बौछार शुरू की। आखिर साढ़े 9 बजे आग बुझाने में सफलता मिल गई। आग की वजह से आसपास के बड़े हिस्से में धुंध फैल गई है। जंगलों में बढ़ती आग को देखते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी आज शाम यहां अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश में हो रही वनाग्नि की घटनाओं पर जल्द ही काबू पा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेना से भी इस संबंध में सहायता ली जा रही है और हेलिकॉप्टर के माध्यम से आग बुझाने का कार्य किया जा रहा है।

रोडवेज स्टेशन की बत्ती गुल...बताया कि रात को आठ बजे जंपर उड़ने से आपूर्ति ठप हो गयी थी, जिसे लेकर ड्यूटी पर तैनात क्लर्क रमाशंकर ने विद्युत विभाग को फोन किया लेकिन कई बार फोन करने के बाद भी फोन नहीं उठा। जनरेटर को लेकर उनका कहना था कि आम तौर पर रात को जनरेटर चलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिसके चलते जनरेटर के लिए तेल की व्यवस्था नहीं की गयी थी। रोडवेज को हुए नुकसान के सम्बंध में पूछने पर उन्होंने नुकसान की बात से इनकार किया, हालाकि कार्यालय के स्टाफ और बस परिचालकों ने लाखों के नुकसान की बात स्वीकार की है। फिलहाल रोडवेज में रात भर विद्युत आपूर्ति ठप रहने से रोडवेज स्टेशन की व्यवस्थाओं के साथ साथ विद्युत विभाग की व्यवस्थाओं की भी पोल खुल गयी है। रोडवेज जैसी महत्वपूर्ण सेवा में रात भर बिजली गुल होना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है। जनरेटर होने के बावजूद सिर्फ तेल की खातिर आपूर्ति को बाधित रखना अपने आप बड़ी लापरवाही है। वो भी तब जबकि रोडवेज परिसर में सुरक्षा के कोई खास इंतजाम नहीं हैं। रात भर अंधकार में डूबे रोडवेज परिसर में परिचालकों के पास लाखों रूपये का कैश था। कैश को सुरक्षित रखने की चिंता में उन्हें पूरी रात जागकर बितानी पड़ी।

कार और बाईक की ...पर ही दम तोड़ दिया जबकि दूसरे ने जौलीग्रांट हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया है कि हादसे के शिकार हुए दोनों युवक फतेहपुर टांडा के रहने वाले थे। दोनों की उम्र करीब 45 से पचास वर्ष बताई जा रही है। दोनों एक विवाह समारोह से वापस घर लौट रहे थे। लाल तप्पड़ पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दुर्घटना का सीसी टीवी फुटेज भी सामने आया है।

थार खाई में गिरने...सूचना मिलते ही कीर्तिनगर कोतवाल देवराज शर्मा ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकालकर बेस अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घषित कर दिया। कोतवाल ने बताया कि मृतक के घर, आवास विकास अम्बेडकरपुरम, कल्याणपुर कानपुर पर उनके स्वजनों को सूचित कर दिया गया है। शनिवार देर शाम तक उनके यहां पहुंचने की उम्मीद है। जीप में मृतक अकेला ही था।

खनन का रवन्ना...ने कर्मचारियों के साथ मारपीट की। पुलिस ने युवराज सिंह के प्रार्थना पत्र पर अभय गुप्ता, अनिल गुप्ता, रोहित निवासी गण अमरिया यूपी, अकरम, परवेज, मनजीत के खिलाफ धारा 147, 148, 307, 323, 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

छोटा हाथी की ... का एक पुत्र है। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस छोटा हाथी वाहन के चालक की तलाश कर रही है।

कांग्रेस ने किया सनातन संस्कृति का अपमान : त्रिवेंद्र

हल्द्वानी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत आज हल्द्वानी पहुंचे। हल्द्वानी पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने त्रिवेंद्र सिंह रावत का भव्य स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि मुस्लिम मतदाताओं ने सबसे ज्यादा वोट भाजपा को दिए हैं। उत्तराखंड की जनता कांग्रेस के लोगों से पूरी तरह से हताश है। हल्द्वानी पहुंचे उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उत्तराखंड की सभी पांचों लोकसभा सीट पर जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा की कांग्रेस के लोगों से प्रदेश की जनता पूरी तरह से हताश है। जिसके चलते वह लोग जनता के बीच वोट मांगने भी नहीं निकले। त्रिवेंद्र रावत ने कहा कांग्रेस ने सनातन संस्कृति का अपमान करने का काम किया है। राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान कांग्रेस ने कार्यक्रम से किनारा किया था, जिससे देश की जनता नाराज है। वहीं हरिद्वार लोकसभा सीट पर मुस्लिम मतदाताओं के भारी संख्या में वोटिंग करने के सवाल पर त्रिवेंद्र रावत ने कहा की इस बार के चुनाव में मुस्लिम वोट भाजपा को मिला है। भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि मुस्लिम मतदाता भी कांग्रेस से नाराज है क्योंकि कांग्रेस ने उनको सिर्फ राजनैतिक रूप से इस्तेमाल करने का काम किया है। 4 जून को परिणाम भाजपा के पक्ष में आएंगे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'चार धाम यात्रा' पर मंडराया अनिश्चितकालीन 'बंद का साया'

निर्माण कार्यों में प्रशासनिक मनमानी से केदार सभा ने दी आंदोलन की दी चेतावनी, तीर्थ पुरोहितों का भी मिला साथ, होटल एवं लॉज मालिकों द्वारा अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान

-अर्श-

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड सरकार एक तरफ जहां चार धाम यात्रा को सुचारू एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी को अंतिम रूप देने में लगी है और चार धाम यात्रा के लिए 10 लाख से भी अधिक यात्रियों ने पंजीयन कर लिया है तथा हेली सेवाओं की बुकिंग भी लगभग फुल हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर केदारनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के ऐसे ज्वर के बीच, चार धाम यात्रा आरंभ होने से ऐन एक पखवाड़ा पहले केदारनाथ में निर्माण कार्यों में प्रशासनिक मनमानी को लेकर असंतोष के स्वर मुखर होने लगे हैं। हालात कुछ ऐसे बन रहे हैं की अब केदारनाथ यात्रा पर अनिश्चितकालीन बंद का साया मंडराने लगा है। दरअसल जून 2013 की केदारनाथ आपदा में हुई भीषण तबाही के बाद से केदारनाथ के पुनर्निर्माण का कार्य बड़े ही जोर शोर से होता चला आ रहा है।पुनर्निर्माण का यह कार्य वर्तमान में अपने तीसरे चरण में पहुंच चुका है और अब पुराने भवनों को तोड़कर नए भवनों का निर्माण होना है ,परंतु यह कार्य तीर्थ पुरोहित समाज एवं हक- हकूकधारियों के राय- मशवरे के बिना हो रहे हैं , जिसके चलते प्रभावितों में गहरा आक्रोश पनप उठा है। हालांकि केदारनाथ से जुड़े लोग शासन प्रशासन का आरंभ से ही पूरा सहयोग भी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा केदारनाथ धाम के कपाट बंद रहने के दौरान तीर्थ पुरोहितों एवं हक- हकूकधारियों को विश्वास में लिए बिना, मनमानी पूर्ण तरीके से भवनों की बेतरतीब तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। जिससे केदारनाथ में तीर्थ पुरोहितों एवं हक- हकूकधारियों के आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों के सामने बड़े एवं गहरे -गहरे गड्ढे हो गए हैं।यह गड्ढे केदारनाथ धाम के आवासीय

एवं व्यवसायिक भवनों के लिए एक बड़ा खतरा बन चुके हैं।इस संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बात करने पर प्रभावितों को कोई संतोषजनक उत्तर भी नहीं मिल रहा है।लिहाजा पीड़ितों के विभिन्न संगठन प्रशासन की मनमानी पूर्ण कार्यवाही के विरुद्ध अब लामबंद होने लगे हैं।केदार सभा ने बाकायदा एक बैठक करके न केवल प्रशासन की मनमानी पूर्ण कार्यवाही को आड़े हाथों लिया है, बल्कि प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी को एक ज्ञापन भेज कर आगामी 10 मई से आरंभ होने वाली यात्रा का संपूर्ण बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी है। केदारनाथ सभा के अध्यक्ष रामकुमार तिवारी का कहना है कि अगर प्रशासन ने अपनी मनमानी पूर्ण कार्यशैली आगे भी जारी रखी तो इसका पुरजोर विरोध तो किया ही जाएगा, साथ ही बहिष्कार आंदोलन के तहत यात्रा मार्ग पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान भवन एवं विश्रामगृह आदि भी बंद रखे जाएंगे। केदार सभा के अनुसार केदार घाटी के सैकड़ों परिवार यात्रा पर निर्भर हैं। केदारनाथ में उन्हें भूमिधरी का अधिकार तो मिला है लेकिन वर्तमान में वह जमीन उनके कब्जे में नहीं है। उधर चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने भी केदारनाथ धाम में तीर्थ पुरोहितों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताया है। महापंचायत ने जल्द ध्वस्तीकरण की कार्रवाई न रुकने पर चारों धामों में भी विरोध जताने की चेतावनी दी है। महापंचायत के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल और महासचिव डॉ बृजेश सती ने आरोप लगाया कि बिना तीर्थ पुरोहितों की सहमति के कपाट बंद के दौरान स्थानीय प्रशासन ने एक तरफा कार्रवाई की है।उन्होंने शासन- प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की कार्यवाही के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। जल्द तीर्थ पुरोहितों का एक प्रतिनिधिमंडल उच्च अधिकारियों से मिलकर अपनी बात रखेगा। महा पंचायत के अनुसार केदारनाथ धाम में तीर्थ पुरोहितों के आवासो और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने प्रशासन की ओर से गड्ढे किए जाने से आवाजाही बाधित हो गई है तथा कई भवन भी क्षतिग्रस्त कर हो गए हैं। इसके अतिरिक्त स्थानीय व्यापारियों ने भी तीर्थ पुरोहित महासभा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का निश्चय किया है और अनिश्चित कालीन बंद की स्थिति में अपने-अपने होटल, लॉज, ढाबा ,दुकान एवं विश्रामगृह बंद रखने का संकल्प लिया है।

प्रदेश में अब तक 689.89 हेक्टेयर जंगल जले वन विभाग मुख्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया

आज हल्द्वानी में वन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्ष बैठक करेंगे सीएम

देहरादून। उत्तराखंड में जंगलों की आग ने विकराल रूप ले लिया है। एक

नवंबर से वन विभाग आग की घटनाओं की निगरानी में जुटा था। 31 मार्च तक स्थिति नियंत्रण में थी, मगर अप्रैल का महीना शुरू होते ही घटनाएं बढ़ती चली गईं। अब तक 689.89 हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आ चुका है। वहीं अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी वनाग्नि की घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। शनिवार के वह हल्द्वानी में अधिकारियों के साथ वनाग्नि से संबंधित विषयों पर समीक्षा बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही वनाग्नि की घटनाओं पर जल्द ही काबू पा लिया जाएगा। सेना से भी इस संबंध में सहायता ली जा रही है और हेलीकॉप्टर के माध्यम से आग बुझाने का कार्य किया जा रहा है। आज हल्द्वानी में अधिकारियों के साथ भी वनाग्नि से संबंधित विषयों पर समीक्षा बैठक करूंगा। शुक्रवार को 24 घंटे के भीतर प्रदेश में आग की 31 नई घटनाएं हुईं। जिनमें कुल 33 हेक्टेयर वन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा कुमाऊं और वन्यजीव आरक्षित क्षेत्र में दो व्यक्ति भी झुलस गए। शुष्क मौसम के बीच उत्तराखंड के जंगलों में आग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद जंगल की आग पर काबू पाने में वन कर्मियों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। प्रदेश में रामनगर, रुद्रप्रयाग, केदारनाथ, नई टिहरी, रानीखेत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत, नरेंद्रनगर, उत्तरकाशी, तराई पूर्वी, लैंसडौन, हल्द्वानी वन प्रभाग, कालागढ़ टाइगर रिजर्व और राजाजी टाइगर रिजर्व व नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क में जंगल की आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं। वन विभाग की ओर से मुख्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। साथ ही जंगल की आग की सूचना देने के लिए हेल्पलाईन नंबर भी जारी किए गए हैं। 18001804141, 01352744558 पर काल कर सकते हैं। साथ ही 9389337488 व 7668304788 पर व्हाट्सएप के माध्यम से भी सूचित कर सकते हैं। इसके अलावा राज्य आपदा कंट्रोल रूम देहरादून को भी 9557444486 और हेल्पलाइन 112 पर भी आग की घटना की सूचना दे सकते हैं।

गरीब की झोपड़ी तोड़ने के फरार आरोपित के घर कुर्की नोटिस चस्पा

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। जमीन हड़पने की नीयत से जबरन गरीब का आशियाना तोड़ने जानसे मारने की धमकी देने के फरार आरोपित के घर पुलिस ने कुर्की का नोटिस चस्पा किया है। जानकारी के अनुसार 14 अप्रैल को नगर के वार्ड 3 निवासी राजू राय पुत्र कमलेश राय ने थाना पुलिस को तहरीर देकर कहा कि वह हरिमंदिर के पीछे एक भूखण्ड में झोपड़ी बना कर परिवार सहित रहता है । आरोप है कि उक्त भूमि को हड़पने की नीयत से प्रफुल्ल नगर गांव निवासी हरपाल सिंह पुत्र अजमेर सिंह तीन चार लोगों के साथ आया और जबरन झोपड़ी तोड़ दी

। और जानसे मारने की धमकी देकर चला गया । जिस पर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा कायम कर दिया । जिसके बाद से आरोपित फरार चल रहा था । शुक्रवार को एसआई संतोष उप्रेती ने पुलिस टीम के साथ आरोपित के घर पहुंचकर कुर्की का नोटिस चस्पा किया ।

खुले में कूड़ा जलाने वालों पर वन अधिनियम में दर्ज कराएं मुकदमा

हल्द्वानी। डीएम वंदना ने कहा कि वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर खुले में कूड़ा जलाना प्रतिबंधित है, ऐसे में खुले में कूड़ा जलाते पाये जाने पर भारतीय वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करवाएं। यह निर्देश डीएम ने कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं में शीघ्र विशेष आपातकालीन बैठक आयोजित की जाए। जागरूकता एवं कूड़ा ना जलाने के प्रस्ताव पारित किये जाएं। आग की दृष्टि से संवेदनशील जगहों पर महिला, युवक मंगल दल एवं एसएचजी की टीमों को सड़क के किनारे पीरूल को हटाने के लिए एरिया आवंटित करने के साथ अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि वन विभाग के रामनगर, नैनीताल, हल्द्वानी वन प्रभाग के लिए 50-50 पीआरडी जवानों की तैनाती के साथ ही तीनों डिवीजनों के लिए दो-दो वाहनों का अधिगृहण कर तत्काल दिये जायेंगे।

रिजॉर्ट पर जीएसटी विभाग ने की छापेमारी

हल्द्वानी। जीएसटी विभाग की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने रामनगर के क्यारी गांव स्थित रिजार्ट पर छापा मारा। टीम ने पांच घंटे तक छानबीन की और रिजॉर्ट से महत्वपूर्ण दस्तावेज कब्जे में ले लिए। प्राथमिक जांच में दो करोड़ रुपये की अघोषित बिक्री सामने आई। बताया जा रहा है कि रिजार्ट स्वामी ने सितंबर 2023 के बाद से कोई बिक्री कर घोषित नहीं किया था। संयुक्त आयुक्त रोशन लाल ने बताया कि सूचना मिलने पर टीम ने गोपनीय जांच शुरु की। अभी तक की जांच में रिजार्ट स्वामी की ओर से दो करोड़ से अधिक की बिक्री घोषित नहीं की गई है जिसमें लगभग 36 लाख रुपये की कर की राशि बनती है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर कुमाऊं जोन राज्यकर विभाग के एडिशनल कमिश्नर राकेश वर्मा ने बताया कि नियमों का पालन न करने वाले और कर चोरी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इधर छापेमारी टीम का नेतृत्व सहायक आयुक्त डॉ. दीपक कुमार ने किया। टीम में राज्यकर अधिकारी अजय प्रकाश, राज्य कर निरीक्षक पंकज कुमार शामिल रहे।